भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार से सरकारी विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

सकारात्मक साप्ताहिक हिन्दी अखबार

जागरूक जनता

जयपुर, 1 फरवरी - 7 फरवरी, 2023

राजस्थान, गुजरात, हरियाणा, उत्तर प्रदेश में प्रसारित

jagrukjanta.net

/jagrukjanta

/jagrukjantanews

jagruk_janta

माघ, पक्ष - शुक्ल, तिथि - एकादशी , संवत 2079 पृष्ठ : 8 बुधवार वर्ष-8, अंक-49, मूल्य ₹ 5/- वार्षिक मूल्य : ₹ 250/-

गाय से शर्म और कुत्ते पर गर्व!

शर्म और गर्व शब्दों का अपने आप में बहुत मायने है। मगर समय के साथ-साथ इनके मायने भी बदल गए हैं। पहले कोई भी गलत काम करने पर आदमी को शर्म महसूस होती थी। और... गर्व... गर्व शब्द तो अपने आप ऊंचाईयों को समेटे हुए है। हम बात करते हैं शर्म और गर्व की। कुछ वर्षों पहले तक गाय पालने वालों को बड़ी इज्जत से देखा जाता था। गाय को पशु धन में गिना जाता था। मगर समय बदल गया। समय के साथ कितनी ही बातें बदल गई। अब गाय पालने वाले को गंवार समझा जाता है। अगर कोई गाय पालने लग जाए तो अड़ोस-पड़ोस वाले निगम में शिकायत करने लग जाते हैं। मच्छर होना, गंदगी होना आदि..आदि बातों को लेकर। गाय पालने वाले को गंवार समझने लगे हैं इसलिए गाय पालने वालों को अब शर्म भी आने लगी है जबकि दूसरी तरफ कुत्ते पालना एक स्टेटस सिंबल बन गया है। कई लोगों को सुबह-शाम कुत्ते की चाकरी करते हुए देखा जा सकता है। उन्हें शौच के लिए घुमाने ले जाते हैं। उन्हें नहलाते हैं, खिलाते हैं, किसी कार्यक्रम में जाते हैं तो वहां भी कई बार साथ में छोटे से कुत्ते को किसी मैम की गोद में देखा जा सकता है। अगर किसी काम से बाहर जाना पड़ गया तो कुत्ते को या तो साथ ले जाओ या फिर कहीं डॉग होम में छोड़ के जाओ। कहीं से कहीं तक डॉग सेवा के इन तमाम कामों में चेहरे पर शिकन तक नहीं मिलती। बिस्तरों में भी इन्हें सुला लिया जाता है। जबकि पहले कुत्तों को घर में घुसने तक नहीं दिया जाता था। अगर कोई कुत्ता पालता था तो वह घर के गेट के बाहर ही कुत्ते को रोटी डाल दिया करता था। मगर अब तो वह एक घर का सदस्य बन चुका है। समय का फेर और किस्मत की बात है तभी तो गाय पालने में शर्म और कुत्ता पालने में गर्व की अनुभूति हो रही है।

सटीक

शिव दयाल मिश्रा
@jagrukjanta.net

shivdayalmishra@gmail.com

संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण

मुर्मू बोली, आत्मनिर्भर भारत बनाना है हमें...

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। संसद का बजट सत्र आज से शुरू हो गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पहली बार संसद के ज्वाइंट सेशन को संबोधित किया। उन्होंने 1 घंटे 2 मिनट तक चले अपने अभिभाषण में कहा कि भारत में मजबूत इच्छाशक्ति वाली सरकार है, जो बिना डरे काम कर रही है। इसके लिए राष्ट्रपति ने सर्जिकल स्ट्राइक, आतंकवाद पर सख्ती, आर्टिकल 370 और तीन तलाक का हवाला दिया। मुर्मू ने सरकार को लगातार दो बार मौका देने के लिए लोगों का आभार जताया। उन्होंने कहा- हमें आत्मनिर्भर भारत बनाना है, जहां गरीबी न हो और मध्यम वर्ग वैभव से युक्त हो। उन्होंने गरीबों को मुफ्त अनाज की स्कीम जारी रखने की बात कही। मुर्मू ने रेहड़ी वालों की बात की, तो 11 करोड़ छोटे किसानों की मदद के लिए सवा दो लाख करोड़ रुपए की सम्मान निधि का जिक्र भी किया।

बजट से काफी उम्मीदें-मोदी

सत्र से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा- सदन में तकरार के साथ तकरीर भी होनी चाहिए। विपक्ष पूरी तैयारी के साथ आया है। हम बहुत अच्छी तरह मंथन करके देश के लिए अमृत निकालेंगे। हमारे देश के बजट पर दुनिया की नजर है। इस बजट से लोगों को काफी उम्मीदें होंगी। हमारा लक्ष्य देश पहले-देशवासी पहले होना चाहिए।

आर्थिक सर्वे पेश, बजट आज

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सदन में इकोनॉमिक सर्वे पेश किया। आज 1 फरवरी को बजट पेश होगा। यह लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार का अंतिम पूर्ण बजट है।

जागरूक खबरें

■ गुरसहायगंज स्टेशन पर रुकेगी जयपुर- गोमती नगर ट्रेन

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर-गोमती नगर (लखनऊ) एक्सप्रेस ट्रेन गुरसहायगंज (यूपी) स्टेशन पर ठहराव करेगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह ट्रेन सोमवार से इस स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव करेगी। इसके अलावा रेलवे ने मकराना-परबतसर के बीच संचालित होने वाली ट्रेन को फिर से संचालित करने का भी निर्णय किया है। यह ट्रेन एक फरवरी से शनिवार को छोड़कर प्रतिदिन संचालित होगी। कोरोना काल से इस ट्रेन का संचालन बंद था।

■ संविदा सेवा नियमों में शामिल करने की मांग को लेकर प्रदर्शन

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान बेरोजगार विद्यार्थी मित्रों के संगठन के बैनर तले प्रदेशभर से आए विद्यार्थी मित्रों ने शहीद स्मारक पर विरोध-प्रदर्शन किया। संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष रामनिवास शर्मा ने बताया कि बेरोजगार विद्यार्थी मित्रों को संविदा सेवा नियम 2022 में शिथिलता प्रदान करके शामिल करने, पंचायत सहायक भर्ती 2017 की परिवेदनाओं को पुन: अवलोकन करने सहित अन्य मांगें रखी गई हैं।

■ विंटेज क्लासिक कार प्रदर्शनी 4 फरवरी से

जयपुर @ जागरूक जनता। राजपुताना ऑटोमोटिव स्पोर्ट्स कार क्लब जयपुर और पर्यटन विभाग के सहयोग से 4 व 5 फरवरी को 24वीं विंटेज क्लासिक कार प्रदर्शनी का आयोजन होगा। क्लब अध्यक्ष दयानिधि कासलीवाल ने बताया कि सिविल लाइंस स्थित होटल में 4 फरवरी को कारों को प्रदर्शित किया जाएगा। जहां से 5 फरवरी को कारें रवाना होकर आमेर जाएगी। रैली में राष्ट्रीय स्तर के जज, कारों के मानकों के आधार पर निरीक्षण कर विजेताओं का चयन करेंगे। क्लब उपाध्यक्ष सुधीर कासलीवाल ने कहा कि रैली का उद्देश्य आने वाली पीढ़ियो को इन धरोहर कारों को दिखाना व संरक्षित करना है। क्लब सचिव अविजित सिंह ने बताया कि प्रदर्शनी में राजस्थान, दिल्ली, मुम्बई, चंडीगढ़ आदि से विंटेज कार संग्रहकर्ता भाग लेंगे।

■ अंतर महाविद्यालय क्रिकेट आज से

जयपुर @ जागरूक जनता। एक फरवरी से पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय में वेस्ट जोन अंतर महा विश्वविद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें 100 से अधिक टीम हिस्सा ले रही हैं। टूर्नामेंट में सभी मैच नॉक आउट आधार पर खेले जाएंगे। राजस्थान विश्वविद्यालय का पहला मैच बरकतुल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल से चार फरवरी को होगा।

■ हवा की गुणवत्ता बेहतर बनाने लिए हों हर संभव प्रयास- कलक्टर

जयपुर @ जागरूक जनता। जयपुर जिले में वायु प्रदूषण नियंत्रण करने और हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास किये जाएं, इसके लिए नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम के तहत निर्धारित मापदण्डों की पालना सुनिश्चित किया जाए। यह कहना है जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित का। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए कलक्टर ने नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम की समीक्षा की। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम का उद्देश्य राजधानी की आबोहवा में सुधार करना है, इसके लिए भीड़भाड़ वाले इलाकों में धूलीय कणों के उत्सर्जन को रोकने के लिए व्यापक प्रबंध किये जाएं।

शिक्षा के क्षेत्र में राज्य सरकार की अभिनव पहल

गांव-कस्बों में खुल रहे महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम सरकारी विद्यालय

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की मंशा है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित ना रहे इसी उद्देश्य से राजस्थान में सत्र 2022-23 में अब तक एक हजार 700 से अधिक महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम विद्यालय खोले जा चुके हैं। जिनमें 3.50 लाख से ज्यादा बच्चे अध्ययन कर रहे हैं। बढ़ती महंगाई के दौर में जहाँ हिंदी व अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा भी महंगी होती जा रही है, वहाँ माता-पिता का अपने बच्चों को अंग्रेजी माध्यम विद्यालयों में दाखिला कराने का सपना अब राज्य सरकार की अभिनव पहल पर साकार हो रहा है। निजी विद्यालयों में लगने वाली भारी भरकम फीस को गरीब और कमजोर वर्ग चाह कर भी वहन नहीं कर पा रहा था। जिसके चलते वे मायूस होते थे लेकिन अब उन्हें परेशान होने की जरूरत नहीं है। अब महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में हर बच्चे का अंग्रेजी माध्यम में शिक्षा प्राप्त करना आसान हो गया है।

शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा नवाचार

अशोक गहलोत की पहल पर राजस्थान में शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा नवाचार किया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की वर्ष 2019 में 150वीं जयंती के अवसर पर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) कक्षा एक से बाहरवीं तक स्थापित करने का निर्णय लिया गया। जिसमें सहशिक्षण की व्यवस्था की गई ताकि राजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत बालक बालिका वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें। वैश्वीकरण के इस युग में अंग्रेजी का महत्व किसी से छुपा नहीं है। अंग्रेजी शिक्षा से व्यापार और रोजगार के नए द्वार खुल रहे हैं। योजना की शुरुआत जून, 2019 में की गई। राज्य के प्रत्येक जिला मुख्यालय पर एक-एक महात्मा गांधी (अंग्रेजी माध्यम) विद्यालय की स्थापना करने का निर्णय लेकर प्रारंभ में 33 विद्यालय खोले गए। इन विद्यालयों के प्रति अभिभावकों और विद्यार्थियों के बढ़ते हुए रुझान को देखकर वर्ष 2020-21 में 172 ब्लॉक मुख्यालय पर विद्यालयों का संचालन किया गया। अंग्रेजी माध्यम के राजकीय विद्यालयों की बढ़ती लोकप्रियता के कारण राज्य सरकार द्वारा 5 हजार से अधिक आबादी वाले कस्बों और गांव में भी आगामी वर्ष में एक हजार अंग्रेजी माध्यम विद्यालय खोलने का निर्णय लिया गया है।

अध्यापकों की कमी होगी दूर

राजस्थान में महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर करने के लिए विभिन्न विषयों के 9 हजार 712 पदों पर शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन आवेदन 31 जनवरी 2023 से प्रारंभ हो गयी है ,जो कि प्रदेश में शिक्षा के स्तर को गुणवत्तापूर्ण बनाने में ठोस कदम साबित होगा तथा इन विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध होगी।

स्वच्छ सर्वेक्षण-2023

शहर को स्वच्छ बनाने वालों का सम्मान

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। स्वच्छ सर्वेक्षण में शहर को सुंदर बनाने वालों का ग्रेटर निगम मुख्यालय में सम्मान किया गया। स्वच्छता सैनिकों से लेकर पार्षदों, होटल और एनजीओ को महापौर सौम्या गुर्जर और आयुक्त महेंद्र सोनी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। महापौर ने कहा कि सर्वेक्षण में सभी को आगे बढ़कर काम करना होगा। तभी जयपुर स्वच्छ बनेगा। जो भी शहर को साफ और सुंदर बनाने में योगदान देगा, उसे निगम सम्मानित करेगा। सर्वेक्षण के तहत ओपन पेन्टिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन करवाएगा। इससे लोगों का जुड़ाव होगा। उपायुक्त स्वास्थ्य मुकेश कुमार ने बताया कि विभिन्न श्रेणियों और प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इसमें एनजीओ, नागरिक समूह, स्कूल, होटल एवं रेस्टोरेंट, अस्पताल, सरकारी कार्यालय, व्यापार मंडल और विकास समितियों ने भाग लिया था।

इन स्वच्छता सैनिकों को पुरस्कार

अशोक, हंसराज उटवाल, राहुल, राखी, अंशु, कमलेश, कामोद मुकेश, राकेश, माया, दौलत, प्रिया, विकास, पूजा, रतन, संतोष कुमार, रामस्वरूप, भरत बाई मीना, अबीद हुसैन, सतीश कल्याणी, नीलम शर्मा, सुनील, सीता देवी।

शहीद दिवस पर मौन व्रत धारण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। विद्याधर नगर स्थित बियानी ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में सोमवार को शहीद दिवस के अवसर पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन व्रत धारण किया गया। जिसमें कॉलेज के चेयरमैन डॉ राजीव बियानी, डायरेक्टर डॉ संजय बियानी, कॉलेज डीन डॉ ध्यान सिंह गोठवाल, कॉलेज प्रिंसिपल डॉ नेहा पांडे, कॉलेज फैकल्टीज़ सहित विद्यार्थी भी शामिल हुए। इस अवसर पर डायरेक्टर डॉ संजय बियानी ने महात्मा गांधी के योगदान को याद करते हुए कहा कि शहीद दिवस शहीदों को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। महात्मा गांधी आज दुनियाभर में अहिंसा के प्रतीक माने जाते है और लोग उन्हें अपना प्रेरणास्त्रोत भी मानते है। व्यक्ति को महात्मा गांधी की ही तरह अहिंसा और सत्य के रास्तों पर चलना चाहिए।

राजस्थान में अब तेज ठंड का अलर्ट

जयपुर में सीजन का सबसे घना कोहरा, फ्लाइट वापस दिल्ली भेजी, 60 फीसदी फसलें चौपट

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में दो दिन हुई तेज बारिश और ओलावृष्टि के बाद आज पूरा प्रदेश घने कोहरे की चपेट में आ गया। कोहरे का असर बीकानेर, जयपुर, भरतपुर, कोटा और उदयपुर संभाग के जिलों में ज्यादा रहा। जयपुर में आज इस सीजन का सबसे ज्यादा घना कोहरा रहा। इसके कारण 50 मीटर दूर भी साफ नजर नहीं आया। कोहरे के कारण जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स देरी से पहुंचीं। अब फरवरी के पहले हफ्ते में तेज ठंड पड़ने के आसार हैं।

कोहरे के साथ ही उत्तर-पश्चिमी राजस्थान के हिस्सों में आज सुबह सर्द हवा भी चली। इससे तापमान में बड़ी गिरावट हुई। सबसे ज्यादा ज्यादा असर बीकानेर, गंगानगर, जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर और चूरू इलाकों में रहा। सर्द हवाओं के कारण यहां मिनिमम तापमान कल के मुकाबले आज 6 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया।

दिल्ली से आई फ्लाइट वापस भेजी

घने कोहरे की वजह से जयपुर एयरपोर्ट पर फ्लाइट्स का संचालन भी बाधित हुआ। मौसम खराब होने की वजह से सुबह 6 से 9:30 बजे तक 15 से अधिक उड़ानों पर इसका असर रहा। जयपुर से लखनऊ जाने वाली इंडिगो की उड़ान भी दो घंटे डिले हुई। उदयपुर की फ्लाइट भी एक घंटे लेट हुई। वहीं जैसलमेर जाने वाली उड़ान को रद्द कर दिया गया है। अलायंस एयरलाइन की दिल्ली से जयपुर आने वाली फ्लाइट संख्या 9 आई 843 को 45 मिनट चक्कर लगाने के बाद पुन:दिल्ली भेज दिया। ये फ्लाइट सुबह 8.30 बजे जयपुर आती है। इसके अलावा जयपुर से दुबई जाने वाली फ्लाइट को भी देरी से रवाना किया।

जयपुर में 60 फीसदी तक फसल चौपट

राजस्थान में पिछले दिनों पड़ी कड़ाके की सर्दी से जयपुर समेत कई जिलों में किसानों को नुकसान हुआ। तापमान माइनस या जमाव बिंदु से नीचे जाने के कारण फसलों पर पाला पड़ गया। जयपुर जिले की 22 तहसीलों से आई रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली रोड पर मौसम की मार सबसे ज्यादा पड़ी है। यहां फसलें 60 फीसदी से ज्यादा तक खराब हो गईं।

निजी क्षेत्र में नहीं जायेंगे आरटीडीसी द्वारा संचालित होटल

जयपुर @ जागरूक जनता। पर्यटन राज्य मंत्री मुरारीलाल मीणा ने मंगलवार को विधानसभा में बताया कि राजस्थान पर्यटन विकास निगम (आरटीडीसी) के तहत संचालित किसी होटल को निजी क्षेत्र में देने का कोई विचार नहीं है।

मीणा ने प्रश्नकाल में इस संबंध में विधायकों द्वारा पूछे गए पूरक प्रश्नों के जवाब में बताया कि राज्य बजट घोषणा के क्रम में आरटीडीसी द्वारा 6 होटल इकाइयों, जिनमे जयपुर का होटल गणगौर, अजमेर का होटल खादिम, उदयपुर का होटल कजरी, माउण्ट आबू का होटल शिखर, भरतपुर का होटल फोरेस्ट लॉज तथा सरिस्का का होटल टाईगर डेन इकाइयों में रिनोवेशन एवं उन्नयन के लिए विभाग द्वारा राशि स्वीकृत की गई है। उन्होंने बताया कि इन इकाइयों में रिनोवेशन का कार्य आउटसोर्स के माध्यम से किया जाएगा तथा इन्हें निजी क्षेत्र में नहीं दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि बजट घोषणा सात होटल इकाइयों के लिए की गई थी, लेकिन संचालक मंडल की बैठक में हुए निर्णय के आधार पर बहरोड मिड वे का चयन नहीं किया गया। इसके लिए संचालक मंडल ने मुख्यमंत्री से भी सहमति ले ली थी। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने हस्तक्षेप करते हुए बजट घोषणा में बदलाव के बारे में जानकारी प्रश्न के जवाब के साथ संबन्धित मंत्री द्वारा दिये जाने की व्यवस्था के निर्देश दिए।

पेपरलीक मास्टरमाइंड का घर कब्जे में लेने की तैयारी

जेडीए ने 7 दिन का आखिरी कानूनी नोटिस भेजा, नीलाम किया जाएगा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। सीनियर टीचर भर्ती पेपरलीक प्रकरण के मास्टरमाइंड भूपेन्द्र सारण के मकान की जेडीए कब्जे में (कुर्की) लेने की तैयारी कर रहा है। जेडीए ने इस संबंध में सारण और उसके भाई गोपाल सारण के नाम पर एक कानूनी नोटिस जारी किया है। इस नोटिस में मकान मालिक को जेडीए में 19.11 लाख रुपए की राशि 7 दिन में जमा करवाने का अंतिम समय दिया है। अगर सात दिन में राशि जमा नहीं करवाते तो मकान को कुर्की करते हुए उसे नीलाम किया जाएगा।जेडीए के एन्फोर्समेंट विंग के चीफ रघुवीर सैनी ने बताया- आरोपी के घर को कुर्क करके नीलाम करने के अधिकार हमें प्राप्त है। उन्होंने बताया कि 13 जनवरी को सारण के जयपुर में अजमेर रोड रजनी विहार स्थित मकान का अवैध हिस्सा ढहाया था। इस हिस्से को तोड़ने पर जेडीए के कुल 19 लाख 11 हजार 355 रुपए का खर्चा हुआ था। इस खर्चे की वसूली के लिए जेडीए ने 23 जनवरी को डिमांड नोटिस जारी करते हुए सारण और उनके भाई को ये रकम जमा करवाने के लिए कहा था।

तीन दिन चली थी मकान तोड़ने की कार्रवाई

जेडीए ने सारण के मकान के अवैध हिस्से को तोड़ने के लिए तीन दिन (13 से 15 जनवरी तक) कार्रवाई की थी। तीन मंजिला इस मकान में फ्रंट एरिया में 15 फीट का हिस्सा, जबकि पीछे 8.3 फीट का हिस्सा तोड़ा गया था। मकान पर कार्रवाई से पहले सारण परिवार की तरफ से जेडीए की ट्रिब्यूनल कोर्ट और हाईकोर्ट में इसे बचाने के लिए याचिका भी लगाई थी, लेकिन दोनों ही कोर्ट में इन याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

पैसे जमा नहीं करवाने पर जारी किया कानूनी नोटिस

सैनी ने बताया कि डिमांड नोटिस के बाद भी पैसा जमा नहीं करवाने पर 30 जनवरी को फिर से भूपेन्द्र सारण और गोपाल सारण को नोटिस जारी किया। इस नोटिस अंतिम 7 दिन का समय दिया गया है। इसके बाद भी अगर ये लोग पैसे जमा नहीं करवाते हैं। जेडीए कार्रवाई करते हुए उस जमीन को कुर्की करते हुए उसकी नीलामी की प्रक्रिया अपनाई जाएगी।

ANCHOR गूंजेगी शहनाई

इस माह सावों की भरमार, परवान पर खरीदारी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर जिले में होगी 50 हजार से अधिक शादियां

जयपुर। नवसंवत्सर-2080 से पहले मांगलिक कार्यों के लिए फरवरी में सबसे ज्यादा शुभ मुहूर्त रहेंगे। अबूझ सावे के साथ ही कई व्रत व पर्व भी हैं। ज्योतिषविदों के मुताबिक बीते तीन साल में फरवरी में सबसे ज्यादा शादियों की रंगत नजर आएगी। शहर के 900 से अधिक गार्डन में से 70 प्रतिशत बुक हैं, वहीं होटल, रिसोर्ट में भी बड़ी संख्या में शादियां होगी। ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि फरवरी में हर एक दिन छोड़कर शादी का मुहूर्त है। 1, 4, 6, 9, 10, 12, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 21, 22, 26, 28 को सावे रहेंगे। 18 फरवरी को शिव की आराधना का खास दिन महाशिवरात्रि का पर्व रहेगा।

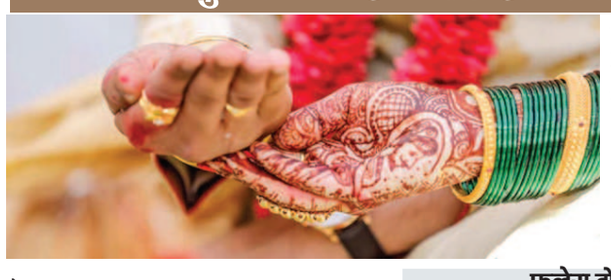

रस्मों को कर रहे कम समय में पूरा

फुलेरा दोज को विवाह करना खास है। भगवान कृष्ण का इस दिन से खास महत्व है। विवाह मुहूर्त में मार्च में सबसे कम दो सावे हैं। बीते साल के मुकाबले अब महज दो दिन में ही सभी रस्मों को पूरा करने के लिए मुहूर्त भी निकलवाए गए हैं। ताकि समय की बचत हो सके। इनमें हल्दी, मेंहदी, सगाई, भात मुख्य है।

फुलेरा दोज का अबूझ सावा

ऑल वेडिंग इंडस्ट्रीज फेडरेशन राजस्थान के महामंत्री भवानीशंकर माली के मुताबिक महीनेभर में जयपुर जिले में 50 हजार से अधिक शादियां होंगी। इसमें 21 फरवरी को अबूझ सावा फुलेरा दोज का रहेगा। वेस्टर्न थीम को सबसे ज्यादा तवज्जो दे रही है। पहनावे, खानपान, डेकोरेशन का इस थीम पर ध्यान दिया जा रहा है। बाजार में भी खरीदारी परवान पर है।

होलाष्टक 28 फरवरी से, होलिका दहन 8 मार्च को

ज्योतिषाचार्य अक्षय शास्त्री ने बताया कि फाल्गुन मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा को होलिका दहन होता है और उसके अगले दिन यानी चैत्र मास की प्रतिपदा तिथि के दिन होली खेली जाती है. होली के 8 दिन पहले होलाष्टक लग जाते हैं। होलाष्टक का समापन होलिका दहन के साथ ही होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल होलिका दहन 7 मार्च को होगा। जबकि 8 मार्च को रंग वाली होली खेली जाएगी। इस वर्ष 28 फरवरी से होलाष्टक शुरू हो जाएंगे और 7 मार्च तक रहेंगे। पंचांग के अनुसार, इस साल फाल्गुन मास की पूर्णिमा तिथि 06 मार्च को शाम 04 बजकर 17 मिनट से लेकर अगले दिन 07 मार्च को शाम 06 बजकर 09 मिनट तक रहेगी।

कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का समापन, राहुल बोले...

मोदी-शाह ने हिंसा नहीं देखी, मैंने देखी है

कहा..., कन्याकुमारी में कुछ बच्चों के स्वेटर-जैकेट नहीं पहन पाने के ख्याल पर मैं भी यात्रा के दौरान टीशर्ट में ही रहा...

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा सोमवार को कश्मीर में संपन्न हो गई। कन्याकुमारी से चली यह यात्रा 145 दिन में 12 राज्यों से होकर गुजरी। इस दौरान 4080 किलोमीटर का सफर तय किया। कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में भारी बर्फबारी के बीच राहुल गांधी सहित अन्य नेताओं ने जनसभा को संबोधित किया।

जम्मू कश्मीर की राजधानी श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का समापन समारोह सोमवार 30 जनवरी को आयोजित हुआ। भारी बर्फबारी के बीच भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में बड़ी संख्या में लोग, कांग्रेस के नेता सहित कई विपक्षी दलों ने नेता शामिल हुए। समापन समारोह में राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े अनुभव शेयर किए। साथ ही उन्होंने भाजपा पर भी निशाना साधा। भारी बर्फबारी के बीच श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में रैली को संबोधित करने से पहले राहुल गांधी ने छाता हटवा दिया और खुले आसमां में बर्फबारी के बीच अपना भाषण दिया। समापन समारोह में राहुल गांधी ने कहा, "मैंने हिंसा देखी और सही है। मोदी जी, अमित शाह जी और आरएसएस के लोगों ने हिंसा नहीं सही है, वह डरते हैं। हम जम्मू-कश्मीर में चार दिन पैदल चले, बीजेपी का कोई नेता पैदल नहीं चल सकता है, क्योंकि वो डरते हैं।"

दर्द सहकर मैंने इस यात्रा को पूरा किया: राहुल गांधी

भारत जोड़ो यात्रा से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए राहुल गांधी ने कहा, "मेरे दिल में था कि रास्ता आसान होगा, मैंने सोचा था कि चलना मुश्किल काम नहीं होगा, लेकिन थोड़ा सा अहंकार आ गया, जैसा आ जाता है लेकिन फिर बात बदल गई। कन्याकुमारी के 5-7 दिन बाद घुटने में दिक्कत आई थी, सारा अहंकार धराशाई हो गया, फिर विचार आया कि कैसे चल पाऊंगा। लेकिन मैंने किसी न किसी तरीके से यह काम पूरा कर दिया। मैंने यह दर्द कैसे भी करके सह लिया।'

दादी को यादकर भावुक हुए राहुल गांधी

भारत जोड़ो यात्रा के समापन पर अपने स्पीच में दादी इंदिरा गांधी को यादकर राहुल गांधी भावुक भी हुए। उन्होंने कहा जब मैं स्कूल में था तो फोन पर खबर मिली की कि दादी को गोली लगी है। राहुल ने कहा जिन लोगों ने हिंसा नहीं सहा हो उनके लिए इसे समझना आसान नहीं। मैंने दादी और पिता जी को खोया है।

यात्रा में टी-शर्ट के राज का किया खुलासा

अपने स्पीच में राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान खुद के हाफ टी-शर्ट पहनने के राज का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि जब मैं कन्याकुमारी से आगे बढ़ रहा था तब मुझे ठंड लग रही थी। मैंने कुछ बच्चे देखे। वे गरीब थे, उन्हें ठंड लग रही थी, वे मजदूरी कर रहे थे और कांप रहे थे। मैंने सोचा ठंड में ये बच्चे स्वेटर-जैकेट नहीं पहन पा रहे हैं तो मुझे भी नहीं पहनना चाहिए।

बीजेपी की हर गाली से मैं सीखता हूं

राहुल गांधी ने आगे कहा कि धर्म लोगों को जोड़ते है, एक-दूसरों पर आरमण नहीं करते। हमारी यात्रा देश तोड़ने की विचारधारा के खिलाफ थी। हमने नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोली है। भाईचारा ही हिन्दुस्तान की असली पहचान है। राहुल ने यह भी कहा कि बीजेपी की हर गाली से मैं सीखता हूं। मैंने लोगों को खुद का मजाक बनाने का मौका दिया। मैंने उन गालियों से सीखा।

खरगे बोले- यह यात्रा नफरत, बीजेपी और आरएसएस के खिलाफ

भारत जोड़ो यात्रा के समापन कार्यक्रम में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, "भारत जोड़ो यात्रा में एक नया माहौल है। राहुल गांधी जी कन्याकुमारी से कश्मीर तक चलने का भारत जोड़ो यात्रा में चलने का निर्णय लिया, तो हम घबरा गए थे। लेकिन मुझे भी लगा कि डर मुझे भी लगा फासला देखकर, पर मैं बढ़ता गया रास्ता देखकर, खुद ब खुद आती गई मेरी मंजिल। मैं इसलिए राहुल गांधी को बधाई देता हूं। उनकी यात्रा नफरत के खिलाफ निकली, बीजेपी और आरएसएस के खिलाफ। मोदी और अमित शाह केवल हवा में ही उड़ते है।"

प्रियंका गांधी बोली- यात्रा में रोशनी की एक किरण दिखी

भारत जोड़ो यात्रा के समापन समारोह में प्रियंका गांधी ने कहा कि सत्य, अहिंसा और प्रेम के आधार पर इस देश की नींव रखी है, वो हम बरकरार रखेंगे। मैं सबको धन्यवाद देती हूं कि आज मेरे देश में रोशनी की किरण जगाई है। यात्रा में रोशनी की एक किरण दिखी।

प्रियंका गांधी बोली- मुझे उम्मीद है नफरत खत्म होगी

प्रियंका गांधी ने आगे कहा कि हम जहां-जहां गए लोग वहां आएं, क्योंकि इस देश में अनैकता में एकता के लिए अभी जजबा है. जम्मु कश्मीर की जनता ने हमें ढेर सारा प्यारा दिया। राहुल गांधी ने मुझे और मां को एक पत्र लिखा और कहा कि और मैं कश्मीर अपने घर जा रहा हूं। आज जो राजनीति देश में चल रही है उससे देश का भला नहीं होगा, ये तोड़ने-बांटने, नफरत की राजनीति है। मेरी उम्मीद है ये नफरत खत्म होगी और प्रेम ही सबको जोड़ेगा।

जागरूक खबरें

■ जयपुर-गांधीनगर स्टेशन के पुनर्विकास का शिलान्यास 4 को

जयपुर @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को दौसा में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश को तीन रेल परियोजनाओं की सौगात देंगे। प्रधानमंत्री नांगल राजावतान में दिल्ली-दौसा एक्सप्रेस वे का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री जयपुर जंक्शन व गांधी नगर रेलवे स्टेशन के री डवलपमेंट कार्य का वर्चुअली शिलान्यास भी करेंगे। दोनों स्टेशन करीब 800 करोड़ की लागत से भोपाल के कमलापति स्टेशन तक तर्ज पर विकसित किए जाएंगे। मोदी जोधपुर मंडल के जोधपुर-लूणी मारवाड़ ट्रैक के विद्युतीकरण का उद्घाटन करेंगे।

■ सिंगल यूज प्लास्टिक: निर्माता के हॉट स्पॉट क्षेत्रों का चयन करें

जयपुर @ जागरूक जनता। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने सिंगल यूज प्लास्टिक निर्माताओं के हॉटस्पॉट क्षेत्रों का 15 दिन में चयन करने के निर्देश दिए हैं। शर्मा सोमवार को स्वायत्त शासन विभाग की ओर से सिंगल यूज प्लास्टिक के संबंध में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से स्पेशल टास्क फोर्स की पांचवीं समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहीं थीं। मुख्य सचिव ने कहा कि विशेष अभियान चलाकर निर्माता और विक्रेताओं की पहचान कर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि पड़ोसी राज्यों से अवैध रूप से आ रहे सिंगल यूज प्लास्टिक को रोकने के लिए पुख्ता चैकिंग की जाए।

मुख्यमंत्री ने दी 100.99 करोड़ की स्वीकृति

प्रदेश में मजबूत होगा ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य में सड़कों पर बढ़ते यातायात दबाव और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए प्रदेश में इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) सुदृढ़ किया जा रहा है। इसके लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 100.99 करोड़ रुपए के अतिरिक्त वित्तीय प्रावधान को मंजूरी दी है।

प्रस्ताव के अनुसार, यह सिस्टम प्रदेश के राजमार्गों तथा मुख्य सड़कों पर यातायात नियमों की अवहेलना करने एवं नशे में वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई में अहम भूमिका निभाएगा। साथ ही, ओवर स्पीड एवं ओवरलोड वाहनों की वजह से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं पर भी अंकुश लगेगा। हाल ही में, राज्य सरकार द्वारा जयपुर स्थित हरीशचन्द्र माथुर लोक प्रशिक्षण संस्थान में स्टेट रोड सेफ्टी इंस्टीट्यूट खोला गया है। रोड सेफ्टी एक्ट के तहत राजस्थान पब्लिक ट्रांसपोर्ट आथोरिटी का गठन भी प्रस्तावित है। आईटीएमएस के अंतर्गत स्वचालित ट्रैफिक मॉनिटरिंग एंड वॉयलेशन डिटेक्शन सिस्टम, स्पीड वॉयलेशन डिटेक्शन सिस्टम, रेड लाइट वॉयलेशन सिस्टम, विभिन्न प्रतीक चिन्ह, सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम, ट्रैफिक मॉनिटरिंग सेंटर एवं ई-चालान सहित विभिन्न कार्य होंगे। चालानों का समयबद्ध एवं दक्षता के साथ निस्तारण, गंभीर सड़क हादसों पर अंकुश लगाना तथा बेहतर कार्यप्रणाली के लिए राज्य के विभिन्न विभागों को समन्वय के साथ एक प्लेटफॉर्म पर लाना आईटीएमएस के प्रमुख उद्देश्य हैं।

मुख्यमंत्री ने दी 18.40 करोड़ रुपए की स्वीकृति

प्रदेश में स्थापित होगा सेंटर फॉर साइबर सिक्योरिटी, काउंटर टेरेरिज्म एंड एंटी-इन्सर्जेंसी

जयपुर @ जागरूक जनता। राज्य सरकार द्वारा साइबर सिक्योरिटी को और मजबूत बनाया जा रहा है। इन अपराधों की रोकथाम और आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से सेंटर फॉर साइबर सिक्योरिटी, काउंटर टेरेरिज्म एंड एंटी-इन्सर्जेंसी की स्थापना की जा रही है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सेंटर की स्थापना और उपकरणों के लिए 18.40 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी है। गहलोत की इस स्वीकृति से सेंटर के अंतर्गत राज्य स्तरीय, रेंज/आयुक्तालय स्तरीय तथा जिला स्तरीय लैब विकसित की जाएगी। लैब में राज्य के लिए साइबर सुरक्षा, अपराधों की आसूचना, अनुसंधान तथा रोकथाम के लिए विभिन्न राज्य तथा देशों में मौजूद सरकारी एजेंसियों से संपर्क कर सॉफ्टवेयर विकसित किया जाएगा। सेंटर की स्थापना से नए-नए मालवेयर, थ्रेट्स, वायरस के बारे में अपडेट किए जाने में सहायता मिलेगी। साथ ही, साइबर क्राइम के बारे में नवीनतम अपडेट्स के लिए राज्य स्तरीय लैब में प्रशिक्षण भी करवाया जाएगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश के सभी जिलों में साइबर थानों की स्थापना हो चुकी है। इन थानों में अपराधों के अनुसंधान के लिए आवश्यक उपकरण भी प्रदान किए जा चुके हैं।

सरकार फसल खराबे पर किसानों का करेगी हरसंभव सहयोग-गहलोत

जयपुर @ जागरूक जनता। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा राज्य में ओलावृष्टि एवं शीतलहर (पाले) से फसलों को हुए नुकसान का शीघ्र आंकलन कराने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार इस आपदा में किसानों का हरसंभव सहयोग करेगी।

JETHI TECH SOLUTIONS
Follow Us: @jethitech
ADDING WINGS TO YOUR BUSINESS

BULK SMS - Lowest Price
Buy 1 Lakh SMS @ Rs.12000/-
With FREE Control Panel
@ 12 Paisa Per SMS
LIFETIME VALIDITY

WEDDING INVITATION
1 Invitation Video for Whatsapp
10,000 Bulk SMS
1 Social HashTag Creation
1 Whatsapp Direct Chat Link
1 Landing Page
Send Digital Invitations At One Click

START-UP PACKAGE
Dynamic Website
+ Domain & Hosting(1 Year)
+ Social Media Profile Creation
+ Social Media Management* (1 Year)
+ 3 WhatsApp Stickers
+ WhatsApp Chat Direct Link
+ Local Business Listing
+ Logo Design
All For Just Rs.35,000/- + GST

Digial Branding/Marketing
★ Youtube Marketing ★ Website Development
★ Digital Marketing ★ Android Development
★ Whatsapp Marketing ★ Software Development
★ Bulk SMS Marketing ★ Social Media Management
MSGJET
SchoolMaster SCHOOL Management System

Corporate Branding/Identity
★ Visiting Cards ★ ID Cards ★ Letterhead ★ Calendars ★ Pen Stand ★ Mugs
★ Pamphlets ★ Banners ★ Envelope ★ Diary ★ Paper Weights ★ T-Shirts
★ Bill Book ★ Brochure ★ Signages ★ Bags ★ Pen ★ Many More...

Financial Services: Business Loan, Home Loan, CC Limit, Mortgage Loan
WE ARE Google Partner AdWords Analytics Marketing Partner Accredited Professional Bing ads
DIGITAL MARKETING | CORPORATE BRANDING | PRINT MEDIA
WEBSITE DESIGN/DEVELOPMENT | SOFTWARE DEVELOPMENT
ANDROID/iOS APPS | BULK SMS | CRM/ERP SOFTWARE
INDIA: 1C, Rajputana Marg, Kalyanpuri, Jhotwara, Jaipur-12
USA: 11923 NE Summer St. Portland, Oregon, 97220, USA
+91-7976625313, +1(503) 8788224 || www.jethitech.com || sales@jethitech.com

ANCHOR | वोट की राजनीति

गुर्जर-मीणा वोट के जरिए सत्ता की कालीन बनाने में जुटी भाजपा-कांग्रेस

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बीते दिनों जब मालासेरी में गुर्जर समुदाय के आराध्य देवनारायण जयंती कार्यक्रम में शिरकत कर रहे थे, तभी यह कार्यक्रम भी तय हो गया कि वह 4 फरवरी को दौसा में दिल्ली-मुम्बई एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण करेंगे। लेकिन पीएम मोदी अब इस एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन 12 फरवरी को करेंगे। स्थान तय हुआ नांगल राजावतान की मीणा अथाई। पूर्वी राजस्थान की सियासत के नजरिए से देखें तो, महज एक सप्ताह के अंतराल पर पीएम का दोनों समुदायों की जाजम पर बैठना कतई भी संयोग जैसा नहीं। राजनीति के जानकार मान रहे हैं कि पूर्वी राजस्थान के सात जिलों दौसा, करौली, सवाईमाधोपुर, टोंक, अलवर, भरतपुर, धौलपुर के राजनीतिक समीकरणों को साधने के लिए अब भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टी गुर्जर-मीणा समुदाय के जरिए सत्ता का रास्ता मजबूत करने में जुटी हैं। राहुल की भारत जोड़ो यात्रा से लेकर पीएम मोदी के दौरे तक दोनों समुदायों को केन्द्र में रखकर भाजपा और कांग्रेस के निर्णयों को देखें तो स्थिति स्वतः ही स्पष्ट हो जाती है। ऐसा जरूरी भी है, क्योंकि मामला सीधे-सीधे इन सात जिलों की 39 विधानसभा सीटों का है। गुर्जर और मीणा वोटों का प्रभाव देखें तो 39 में से तकरीबन 25 से 28 सीटों पर इनका प्रभाव है। पिछले विधानसभा चुनाव में इनमें से भाजपा के हाथ सिर्फ 4 सीटें लगी थी। ऐसे में पीएम मोदी के प्रभाव का इस्तेमाल कर भाजपा चाहेगी कि कांग्रेस के गढ़ में सेंधमारी की जाए। दूसरी ओर, कांग्रेस भी क्षेत्र में अपनी मजबूती के लिए किसी भी सियासी दांव से परहेज नहीं करना चाहती।

भाजपा

पीएम मोदी का मालासेरी में देवनारायण जन्मोत्सव में शिरकत करना। गुर्जरों के बीच भाजपा की पैठ बढ़ाने की कवायद। एक्सप्रेस वे के उद्घाटन के लिए मीणा अथाई का चुनाव। मीणा समुदाय के लिए इस स्थान की विशेषता ऐसी है कि इसे मीणा हाइकोर्ट के नाम से जाना जाता है। बीते दिनों में कार्यक्रमों के सिलसिले में केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल, संजीव बालियान, संघ पदाधिकारियों ने दौसा में लोगों से संवाद किया।

कांग्रेस

दिसंबर में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी मीणा हाइकोर्ट पहुंचे। यहां रसिया दंगल में हिस्सा लिया। रात भी गुजारी। हाल ही पीएम मोदी की यात्रा से ठीक पहले गहलोत सरकार ने देवनारायण जयंती का राजकीय अवकाश घोषित कर दिया। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान गुर्जर-मीणा बाहुल्य दौसा जिले के मंत्रियों, विधायकों ने भारी संख्या में लोग जुटाकर शक्ति प्रदर्शन किया। राहुल भी प्रभावित हुए।

...मुश्किल है समीकरण साधना

दोनों समुदायों को एक साथ साधना मुश्किल है। क्षेत्र के स्थानीय मुद्दे और समीकरण इसमें बाधा नजर आते हैं। पांचना बांध से सिंचाई का मामला हो या आरक्षण प्रकरण, सरकारों के लिए ऐसे मुद्दों पर दोनों समुदायों और क्षत्रपों को एक कर पाना दूर की कौड़ी साबित हुआ है।

सम्पादकीय

क्या भारत-पाक वार्ता होगी शुरू

भारत- पाकिस्तान के बीच रिश्ते काफी समय से ठीक नहीं है। एक दो सम्मेलनों या समिट को छोड़ दिया जाए तो दोनों के बीच काफी दिनों से द्विपक्षीय वार्ता भी नहीं हुई है। इसकी मुख्य वजह है आतंकवाद। इस बीच भारत में SCO समिट है। भारत ने इसके लिए पाकिस्तान को भी न्योता भेजा है। शंघाई कोऑपरेशन संगठन (एससीओ) के मौजूदा अध्यक्ष के रूप में भारत ने सभी सदस्य राष्ट्रों को इसके विदेश मंत्रियों की बैठक में शामिल होने का आमंत्रण भेजा है। जो बात आमंत्रण की इस औपचारिक कवायद को खास बना रही है वह यह कि इसमें पड़ोसी देश पाकिस्तान भी शामिल है। हालांकि अभी यह साफ नहीं हुआ है कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री इस आमंत्रण को स्वीकार करके बैठक में शामिल होने भारत आएंगे या नहीं। पाकिस्तान में इसी साल चुनाव हैं और वहां की राजनीति में भारत विरोध का फैक्टर जितनी अहम भूमिका में होता है, उसके मद्देनजर जानकार इसे मुश्किल ही बता रहे हैं, लेकिन अगर वह आते हैं तो 2015 के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच विदेश मंत्री स्तर की यात्रा का यह पहला मौका होगा।

तब तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज 'हार्ट ऑफ एशिया' कॉन्फ्रेंस में शामिल होने पाकिस्तान गई थीं। उसी यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच कॉम्प्रिहेंसिव बाइलैटरल डायलॉग प्रॉसेस शुरू हुआ, जिसकी बदौलत वह पल भी आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले से निर्धारित कार्यक्रम के बगैर पाकिस्तान के तत्कालीन पीएम नवाज शरीफ के घर पहुंचे। लेकिन उसके बाद पाकिस्तान की ओर से 2016 से 2019 के बीच पठानकोट, उरी और फिर पुलवामा में हुए आतंकी हमलों ने दोनों देशों के रिश्तों में दरार डाल दी। भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में सर्जिकल स्ट्राइक और सीमा पार के टेरर कैंपों पर हवाई हमले के रूप में इन आतंकी हमलों का जवाब दिया, जिससे तनाव में और बढ़ोतरी हुई। इस बीच 5 अगस्त 2019 को भारत ने अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा समाप्त करने का फैसला किया, जिसे पाकिस्तान ने संबंधों के सामान्य होने की राह में एक और रोड़ा करार दिया। इसके बाद पाकिस्तान ने यह शर्त लगा दी कि इस फैसले को वापस लिए जाने के बाद ही दोनों देशों में बातचीत हो सकती है। बहरहाल, अच्छी बात यह है कि हाल में मिले कुछ संकेत नए सिरे से रिश्तों में बेहतरी की उम्मीद बंधा रहे हैं। जब कुछ ही दिनों पहले पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ ने संयुक्त अरब अमीरात के एक चैनल को दिए इंटरव्यू में दोनों देशों के बीच हुए चार युद्धों से मिली सीख का हवाला देते हुए भारत से बातचीत शुरू करने की इच्छा जताई। उन्होंने कश्मीर मसले का जिक्र जरूर किया, लेकिन अनुच्छेद 370 से जुड़ा फैसला वापस लेने की मांग नहीं दोहराई। ध्यान रहे, अफगानिस्तान की ओर से डुरंड लाइन पर बढ़ते दबाव के मद्देनजर भारत से रिश्ते सुधारने की पाकिस्तान की जरूरत बढ़ गई है। दूसरी ओर, लद्दाख में चीन से लगती एलएसी (वास्तविक नियंत्रण रेखा) पर जारी गतिरोध को और तवांग में हालिया तनाव को देखते हुए पाकिस्तान के साथ एलओसी पर सामान्य स्थिति भारत के लिए भी बेहतर होगी।

राजकुमार संतोषी की फिल्म में नाथूराम गोडसे के हमले के बाद भी गांधी को जिंदा रखा गया है। हालांकि गांधी बच गए, लेकिन उन्होंने गोडसे को माफ भी कर दिया। दोनों का आमना-सामना हुआ तो दोनों के बीच कई सवाल-जवाब हुए और विचारों का युद्ध हुआ।

गांधी और गोडसे के विचारों का युद्ध

श्याम माथुर
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

फिल्म में गांधी के कुछ व्यक्तिगत पहलुओं को भी उठाया गया है। मसलन वे क्यों स्त्री-पुरुष के प्यार को विकार मानते थे? गांधी जी ने पाकिस्तान को 55 करोड़ रुपए क्यों दिलवाए? गांधी जी पर हिन्दू-विरोधी होने के आरोप क्यों लगे थे?

अभी हाल ही हमने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनाई है और हर साल की तरह इस बार भी श्रद्धांजलि और माल्यार्पण के साथ तमाम रस्में निभाई हैं। श्रद्धांजलि की इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए आज हम निर्देशक राजकुमार संतोषी की हालिया रिलीज फिल्म 'गांधी गोडसे - एक युद्ध' के बहाने गांधी की प्रासंगिकता पर थोड़ी चर्चा करते हैं। फिल्म 'गांधी गोडसे' के एक दृश्य में पंडित नेहरू बने किरदार का एक संवाद है, जिसमें पंडित नेहरू कहते हैं- 'कोई चाहे तो एक दिन में गोडसे बन सकता है, लेकिन गांधी बनने में पूरी उम्र लग जाती है!' यह डायलॉग ही गांधी के संपूर्ण व्यक्तित्व को दुनिया के सामने रख देता है।

हम सब जानते हैं कि 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे के हाथों गोली लगने से गांधी ने दम तोड़ दिया था, लेकिन राजकुमार संतोषी की लिखी और डायरेक्ट की गई फिल्म में गांधी को जिंदा रखा गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि बंटवारे से नाथूराम गोडसे नाखुश थे। देश बंटा था और कई हिंदुओं का खून बहा था। इन सबका जिम्मेदार उन्होंने गांधी को ठहराया और उनकी हत्या करनी चाही। गांधी बच गए, लेकिन उन्होंने गोडसे को माफ कर दिया। दोनों का आमना-सामना हुआ तो दोनों के बीच कई सवाल-जवाब हुए और विचारों का युद्ध हुआ।

इस फिल्म के जरिये शायद पहली बार इंडियन सिनेमा में 'व्हाट इफ' स्टाइल का इस्तेमाल किया गया है, अर्थात अगर यूं होता तो कैसा होता। हालांकि विदेशी फिल्मों में आम है ये जॉनर, जिसमें रियल किरदारों को लेकर अनरियल कहानी बयान की जाती है। दो विपरीत विचारधाराओं के रियल किरदारों को, जिनमें से एक ने दूसरे की हत्या की है, यूं साथ साथ लाने की कल्पना ही अपने आप में अनूठी है। इस तरह एक ऐसी कहानी कहना जिसमें जोर इस बात पर है कि अगर हत्यारा, जिनकी हत्या की उनसे मिल लेता, और दोनों के विचारों का मुकाबला हो जाता तो वह उनकी हत्या कभी नहीं करता।

ये निश्चित ही एक नेक और बेहतरीन सोच है जिसके लिए सबसे पहले तो असगर वजाहत की तारीफ करनी चाहिए, चूंकि उन्हीं के लिखे नाटक 'गोडसे एट गांधी डॉट कॉम' से प्रेरित है कहानी और

दाद देनी पड़ेगी राजकुमार संतोषी की हिम्मत को भी इसे पर्दे पर लाने के लिए।सवाल गांधी को लेकर तब थे, आज भी है और कल भी रहेंगे। लेकिन उनकी गिनती महापुरुषों में निर्विवाद होती रहेगी। फिल्म में गांधी के कुछ व्यक्तिगत पहलुओं को भी उठाया गया है मसलन वे क्यों स्त्री पुरुष के प्यार को विकार मानते थे? गांधी जी ने पाकिस्तान को 55 करोड़ रुपए क्यों दिलवाए? गांधी जी पर हिन्दू-विरोधी होने के आरोप क्यों लगे थे? क्या गांधी बंटवारे के जिम्मेदार थे? कहने वाले तब भी बहुत थे कि गांधी ने अहिंसा और चरखे में उलझा दिया है और गांधी को इन तमाम सवालों के साथ कन्फ्रांट किया गया है।

संवादों की बात करें तो उन्हें असगर वजाहत ने ही लिखा है और खूब लिखा है। संवाद इतने सशक्त हैं कि उनसे ही मुद्दे झलक पड़ते हैं। गांधी और गोडसे के मध्य हुए संवाद की एक बानगी देखिए। अखंड भारत का नक्शा दिखाते हुए गोडसे गांधी से कहता है कि उसका सपना है अखंड भारत। गांधी मुस्कुराते हुए पूछते हैं, 'तुमने इस नक्शे में तिब्बत, बर्मा और अफगानिस्तान को भी शामिल कर लिया है। तुम कभी वहां गए हो? क्या उनकी संस्कृति के बारे में जानते हो?' गोडसे चुप हो जाता है। इतिहास हमें बता चुका है कि गांधी का कांग्रेस से मोहभंग हो चुका था, आज भी जब-तब कह ही दिया जाता है। फिल्म में भी यही बात बताई गई है कि गांधी की सोच थी कांग्रेस एक फ्रीडम फोरम था और इस नाम पर लोगों से वोट मांगना गलत है। उनकी इसी सोच से ओतप्रोत एक संवाद है फिल्म में, जिसमें गांधी कहते हैं, 'सरकारें सेवा नहीं करती, सिर्फ हुकूमत करती हैं।' दरअसल पटकथा गांधी के आदर्शों और उन्होंने जो देश के लिए किया, उसे कुछ हद तक दर्शकों के सामने रखती है, लेकिन गोडसे के विचार और गोडसे ने गांधी को क्यों मारा, यह बताने में फिल्म विफल रहती है. यही इस फिल्म की सबसे बड़ी कमजोरी भी है। अगर हम कॉमर्शियल कामयाबी की कसौटी पर राजकुमार संतोषी की इस फिल्म को कसने का प्रयास करें, तो जनता का वर्डिक्ट साफ है- एकदम फ्लॉप! इसका अर्थ यह भी हुआ कि मौजूदा दौर के दर्शकों को न तो गांधी की विचारधारा में बहुत अधिक दिलचस्पी है और न ही गोडसे में।

हम सब जानते हैं कि गांधीजी के सबसे बड़े संदेश थे- सत्य, अहिंसा और शांति। उनके ये संदेश आज भी दुनिया को रास्ता दिखाते हैं। लेकिन गांधी पर बनी फिल्म 'गांधी गोडसे - एक युद्ध' को लेकर कुछ सियासी लोगों ने विरोध के स्वर भी बुलंद किए। इस फिल्म से खफा लोग सड़कों पर उतर आए कि फिल्म रिलीज नहीं होने देंगे, थिएटरों में आग लगा देंगे, राजकुमार संतोषी को जान से मार देंगे, वगैरह-वगैरह। यहीं पर यह सवाल हमारे सामने आता है कि हिंसा और मारकाट की बात करने वाले ये लोग क्या गांधी के फॉलोअर हो सकते हैं? क्या गांधी का सत्य, अहिंसा और शांति का संदेश उनके लिए कोई मायने नहीं रखता?

आखिर फिल्म का विरोध क्यों होना चाहिए? लोगों को मालूम होना चाहिए कि उस पीरियड की सच्चाई क्या थी? आजादी से ठीक पहले और इसके बाद देश में क्या हो रहा था? गोडसे जैसी विचारधारा वाले लोग अचानक कहां से खड़े हो गए, क्यों खड़े हो गए? क्यों गोडसे ने गांधीजी पर गोली चलाई?

फिल्म 'गांधी गोडसे - एक युद्ध' के एक और डायलॉग से अपनी बात समाप्त करेंगे। फिल्म में गोडसे का एक और संवाद है, जिसमें वह कहता है - 'गांधी सरकार से बड़ा है, गांधी कानून से बड़ा है, गांधी इस देश से बड़ा है! महात्मा है.....कैसे रोका जाए उसे!' जाहिर है कि आप और हम गांधी को कभी नहीं रोक सकते। गांधीजी वैश्विक पटल पर आज भी न केवल जीवित हैं, वरन महत्वपूर्ण भी हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

ओपिनियन

मनोभ्रंश एक विकट समस्या होती है

एक मस्तिष्क रोग है जिसको डिमेंशिया कहा जाता है। इस शब्द के हिंदी शब्दकोश में अर्थ देख कर अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस रोग के बारे में हमारे देश में कितना अज्ञान है। हिंदी शब्दकोश इसे पागलपन, उन्माद या विक्षिप्त का नाम देते हैं पर इसका नाम मनोभ्रंश होना चाहिए क्योंकि इस रोग में मस्तिष्क की कोई न कोई कार्यविधि का विनाश हो जाता है। ऐसा होने पर याददाश्त का क्षरण हो जाता है यानि वह बहुत कमजोर पड़ जाती है। पीड़ित व्यक्ति अपना नाम पता तक भूल सकता है। निर्णय लेने की क्षमता भी समाप्त सी हो जाती है। विचार विमर्श करने के असमर्थता कारण रोगी हर समय अनिश्चितता और भ्रम की स्थिति में रहता है। समस्याओं का समाधान नहीं कर पाता, कोई योजना नहीं बना सकता तथा सामाजिक संपर्क स्थापित करने की योग्यता खो जाती है। इन सब के कारण व्यक्ति अवसाद और निराशा में घिर कर अकेला रहने लगता है।

डॉ. रामावतार शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार
@jagrukjanta.net

चूंकि कहीं आना जाना बंद हो जाता है तो शरीर और मस्तिष्क का आपसी सामंजस्य कम होने से शरीर का संतुलन बिगड़ने लगता है। इन सब परेशानियों के फलस्वरूप रोगी आक्रामक, गुस्सैल या फिर आत्म सम्मानहीन होने लगता है, दिवस्वप्नों की दुनिया में जीने लगता है और समय के साथ जीर्णता की तरफ अग्रसर होता जाता है। यह एक अति कष्टदायक जीवन स्थिति है। मनोभ्रंश की उत्पति

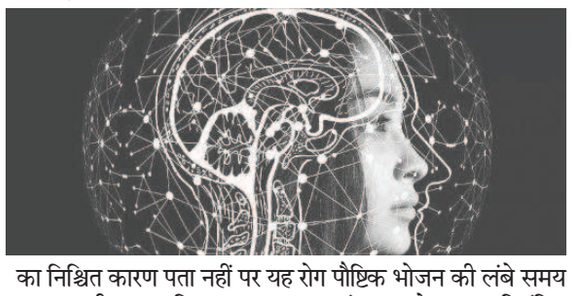

का निश्चित कारण पता नहीं पर यह रोग पौष्टिक भोजन की लंबे समय तक कमी, अत्यधिक शराब या तंबाकू सेवन, अनियंत्रित डायबिटीज, वायु प्रदूषण, अनिंद्रा, सिर में कोई चोट, किसी विटामिन की कमी या कुछ विशिष्ट दवाओं के सेवन से होता देखा गया है।

वैश्विक परिदृश्य में देखें तो यह रोग अमेरिकन और यूरोपियन गोरे लोगों में काफी पाया जाता है। इसका एक कारण तो उनका लंबी उम्र तक जीवित रहना और दूसरा उनकी जीवनशैली है। जहां तक एशिया के लोगों का सवाल है तो यहां जीन पूल की इतनी विविधता है कि कोई एक राय नहीं बन पा रही है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार एशिया में फिलिपींस के लोगों में डिमेंशिया सर्वाधिक पाया गया है, उसके बाद जापान और फिर चीन। भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश में यह रोग कम पाया जाता है परंतु इसका कारण आंकड़ों की कमी, तुलनात्मक रूप में अन्य देशों से कम उम्र का जीवन और निदान का न हो पाना भी हो सकता है। भारतीय उपमहाद्वीप में इस रोग को लेकर चिकित्सकों और जनता दोनों में ही उदासीनता देखी गई है इसलिए यहां के आंकड़े विश्वसनीय नहीं हैं।

कई विश्व स्तरीय अध्ययन इंगित करते हैं कि सामाजिक कारणों और व्यवहार के कारण भारत, वियतनाम और फिलिपींस के लोग मनोभ्रंश जैसे कि अल्जाइमर रोग से पीड़ित परिवार के सदस्य को अस्पताल की सेवाएं नहीं देना चाहते। कारण आर्थिक, सांस्कृतिक या धार्मिक आदि हो सकते हैं पर इन्हीं सब कारणों से इन देशों में ऐसे रोगों के प्रति व्यापक जागरूकता भी नहीं है। संवेदना की कमी के चलते इन देशों में ये रोगी बड़ी संख्या में प्रताड़ना और उपेक्षा भरा जीवन जीने को मजबूर होते हैं। मनोभ्रंश की स्थिति जीवन में न आ पाएं इसके लिए जीवनपर्यंत हल्की फुल्की कसरत करते रहना चाहिए। हर व्यक्ति इस बात का ध्यान भी रखे कि कुछ मात्रा का सामाजिक जीवन भी हो वरना मकान नामक घोंसला मस्तिष्क के कई हिस्सों को निष्क्रिय कर देता है। जीवन में आखरी समय तक कुछ न कुछ नया सीखने से भी डिमेंशिया की संभावनाएं कम हो जाती हैं जैसे कोई नई भाषा के शब्द, मानसिक या शारीरिक खेल, गार्डेनिंग, बच्चों को शिक्षित करने का प्रयास आदि मस्तिष्क को स्वस्थ रखते है और जिजीविषा को ऊर्जा प्रदान करते हैं। यदि नई भाषा नहीं सीख सकते तो अपनी ही भाषा के नए शब्द सीख कर याद करना भी मस्तिष्क को स्वस्थ रखने में सहायक होता है। आखिर में इस बात का ध्यान रखना है कि मनोभ्रंश एक रोग है जो प्रारंभिक अवस्था में रोका जा सकता है यदि इसके प्रति जागरूकता और जानकारी हो।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सरकार की जरूरी दखल

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को अब किसी प्रोडक्ट का रिव्यू या ब्रैंडिंग करते समय यह बताना होगा कि इसके बदले कंपनी से पैसे तो नहीं लिए। यह भी बताना होगा कि कंपनी की तरफ से किसी तरह की सुविधा तो नहीं दी गई। उन्हें अपने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म पर जानकारी देनी होगी कि यह पेड है या नहीं। उपभोक्ता मामले के मंत्रालय ने शुक्रवार को इस मामले में नई गाइडलाइंस जारी की।

लोकेश शर्मा
शिक्षाविद्
@jagrukjanta.net

सोशल मीडिया पर सक्रिय इन्फ्लुएंसर्स की नई और उभरती हुई बिरादरी को कानून के दायरे में लाकर उसे ज्यादा जिम्मेदार बनाने की सरकार की ताजा कोशिश स्वाभाविक ही हर किसी का ध्यान खींच रही है। दरअसल, फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम पर ये ऐसे ट्विटर अकाउंट हैं, जिनसे लोगों को अक्सर न केवल दिलचस्प और उपयोगी जानकारी मिलती है, बल्कि उनका मनोरंजन भी होता है। लेकिन इसके साथ ही बहुत से इन्फ्लुएंसर्स विभिन्न ब्रैंड के प्रोडक्ट्स का प्रमोशन भी करते हैं। अभी तक यह सब अनौपचारिक स्तर पर चल रहा था और इनके व्यवहार को नियमित-निर्देशित करने वाले कानून नहीं थे। डिपार्टमेंट ऑफ कंज्यूमर्स अफेयर्स की ओर से शुक्रवार को जारी गाइडलाइंस इसी कमी को पूरा करती है। जिस तरह के प्रावधान (50 लाख रुपये तक का जुर्माना और किसी ब्रैंड को प्रमोट करने पर छह साल तक की रोक) इसमें किए गए हैं और जितने विस्तार से लेन-देन को व्याख्यायित किया गया है, उसे कड़ा जरूर कहा जा सकता है, लेकिन इन दिशानिर्देशों को गंभीरता से लिया जाए और सभी संबंधित पक्ष इस पर निष्ठा से अमल करें, यह सुनिश्चित करने के लिए ऐसा करना जरूरी था।

खासकर, इसलिए भी कि यह सेक्टर अभी उभर ही रहा है, इससे जुड़ी चीजें अभी परिभाषित हो रही हैं, आकार ले रही हैं। ऐसे में स्वाभाविक ही यहां उस तरह का प्रफेशनल नजरिया नहीं दिखता जैसा अन्य पेशों में नजर आता है। लेकिन इसीलिए यह और जरूरी हो जाता है कि इस क्षेत्र को अनुशासित करने की कोशिश भी अभी से की जाए। जहां तक इसके नकारात्मक प्रभावों का सवाल है तो उसकी आशंका इसलिए भी नहीं है कि नया होते हुए भी यह क्षेत्र काफी तेजी से फल-फूल रहा है। 2022 में भारत में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का बाजार 1275 करोड़ रुपये का था, जिसके 2025 तक 2800 करोड़ रुपये का होने का अनुमान है।आज कीतारीख में ऐसे सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स जिनकी थोड़ी धाक है यानी जिनके पास फॉलोअर्स की अच्छी संख्या है, उनकी संख्या एक लाख से ऊपर बताई जाती है। जाहिर है, इन लोगों को अपनी लोकप्रियता का बेजा फायदा उठाने की इजाजत नहीं दी जा सकती। इसीलिए सरकार ने यह व्यवस्था की है कि अगर ये किसी ब्रैंड को प्रमोट करते हैं और उस क्रम में किसी तरह का भौतिक लेन-देन होता है, तो उन्हें उसकी जानकारी इस तरह से सार्वजनिक करनी होगी कि उस प्रमोशन से प्रभावित हो रहे लोग उस जानकारी से वंचित न रह जाएं। उन्हें यह बात हर हाल में मालूम हो कि पेड प्रमोशन देख रहे हैं।

(ये लेखक के अपने विचार है)

हास्यास्पद विचार, मांग

तुलसीदास रचित रामचरितमानस की कुछ पंक्तियों को लेकर पिछले कुछ समय से जारी विवाद ने उस समय एक और मोड़ ले लिया, जब समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने सरकार से यह मांग कर दी कि इस रचना में से कुछ पंक्तियों को हटा दिया जाए या फिर यह पूरी रचना ही बैन कर दी जाए। यह मांग बताती है कि कोई बहस विवेक के धागे से बंधी न रहे तो वह किस हास्यास्पद स्थिति तक पहुंच सकती है। विवाद शुरू हुआ बिहार के शिक्षा मंत्री और आरजेडी नेता चंद्रशेखर के इस बयान से कि रामचरितमानस के कुछ दोहे समाज के कुछ खास तबकों के खिलाफ हैं। देखा जाए तो रामचरितमानस के कई दोहों पर बहस बहुत पहले से चली आ रही है। उनमें से कुछ को दलित विरोधी बताया जाता है तो कुछ को स्त्री विरोधी। इसके पक्ष-विपक्ष में लंबी-चौड़ी दलीलें दी जाती रही हैं। कुछ लोगों का यह कहना है कि रामचरितमानस एक महाकाव्य है। उसमें अलग-अलग किरदार हैं। हर किरदार की अपनी सोच-समझ, अपना चरित्र है, अलग हालात हैं। इन किरदारों के मुंह से निकली बातों को लेखक की बात के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए।

प्रदीप शर्मा
समाजसेवी
@jagrukjanta.net

दूसरी तरफ यह भी कहा जाता है कि कोई भी लेखक अपने समय और समाज की नुमाइंदगी करता है। तुलसीदास जी ने जिस तरह से अपनी बात रखी है, उससे असहमतियां हों तो भी इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि वे उस दौर की सीमाएं थीं। ये दोनों ही दलीलें महत्वपूर्ण हैं और इनका ध्यान रखे बगैर तुलसी या रामचरितमानस ही नहीं, किसी भी दौर के साहित्य का सही मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। और, रामचरितमानस तो वैसे भी सिर्फ साहित्यिक कृति नहीं है। पिछले करीब पांच सौ वर्षों में उत्तर भारत के करोड़ों लोग जिस श्रद्धा और प्रेम से इसका पाठ करते रहे हैं, वह इसका दर्जा बहुत ऊंचा कर देता है।

बावजूद इसके, यह सवाल बना रहता है कि हम इसमें कही गई बातों को किस रूप में देखें और किस हद तक स्वीकार करें। हर अग्रगामी और प्रगतिशील समाज इसका ध्यान रखता है। अगर भारतीय समाज ने इसका ध्यान नहीं रखा होता तो 16वीं सदी की जीवनशैली के मुकाबले जिस तरह का बदलाव हमारे रहन-सहन और सोच-विचार में दिख रहा है, वह नहीं दिखता।

ध्यान रहे, खुद तुलसीदास जी ने भी इस फर्क का ख्याल रखा। वरना वह अपने आराध्य भगवान राम को संस्कृत के चंद विद्वानों के बीच से निकालकर जनसाधारण तक पहुंचाने के लिए अवधी में रामचरितमानस लिखने का फैसला नहीं करते, भगवान को पुरोहितों के दायरे से बाहर निकाल कर सीधे भक्तों की पहुंच तक नहीं लाते। रामचरितमानस का पाठ करने, उसका आनंद लेने, श्रीराम की भक्ति में डूब जाने का मतलब यह नहीं होता कि हम तत्कालीन समाज की सीमाओं को न पहचानें। रामचरित मानस आज श्रद्धा का बड़ा केन्द्रबिन्दु है। यह महाकाव्य भारतीय संस्कृति में उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। जिसका वर्णन शब्दों में लिखना तर्कसंगत नहीं होगा।

(ये लेखक के अपने विचार है)

सत्य दर्शन

।।श्री सद्गुरुदेव गोवर्धन पीठाधीश्वर श्री कृष्णदास कंचन महाराज ।।

सत्य दर्शन के आधार श्रीसद्गुरु देव

ईश्वर आराधना, उनकी भक्ति सीढ़ी पर चढ़ने का प्रयास है। किंतु सब ईश्वर की इच्छा पर निर्भर है। वे जब कृपा करेंगे, साधु संग करा देंगे, गुरु से मिला देंगे। प्रभु को पाने की व्याकुलता, प्रेम भक्ति करा देंगे, तभी मुक्ति होगी। ईश्वर के कर्म अनन्त हैं। ईश्वर ने अपनी माया से सब कुछ ढक रखा है। उसके कार्यों को मनुष्य क्या समझेगा। माया रूपी काई से सच्चिदानन्द रूपी जल ढका हुआ है। काई को हटाकर ही तालाब का पानी पिया जा सकता है। माया में रहते हुए ईश्वर और उसके कार्यों को समझना मुश्किल है। भीष्मदेव शरशय्या पर पड़े रो रहे थे। पाण्डवों ने श्रीकृष्ण से कहा-यह कैसा आश्चर्य है। पितामह इतने बड़े ज्ञानी होकर मृत्यु का विचार कर रहे हैं। श्री कृष्ण ने कहा-उनसे पूछो न, कि क्यों रोते हैं? भीष्म देव बोले-मैं यह विचार कर रोता हूं कि भगवान के कार्य को कुछ भी नहीं समझ सका। हे कृष्ण-तुम इन पाण्डवों के साथ-साथ फिरते रहे, पग-पग पर इनकी रक्षा करते रहे, फिर भी इनकी विपद का अंत नहीं। आपकी माया विचित्र है। ईश्वर सम्बन्धी साधना करने और न करने वाले चार प्रकार के जीव बताए गए हैं-

क्रमशः

जागरूक जनता Selfie विद डॉटर

हर्विका, आरना मिश्रा, जयपुर

हमे लिखे

आप भी हमें अपने विचार, लेख, कविता, जन्मदिन की फोटो, सेल्फी विद् सन/डॉटर भेज सकते हैं।

jagrukjantanews@gmail.com

सम्पर्क करें : **9829329070, 9928022718**

जीएसटी दरों को तर्कसंगत बना महंगाई पर लगाए लगाम-वजीरानी

चितौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अगले वर्ष लोकसभा चुनाव प्रस्तावित होने से माना जा रहा है केन्द्र की वर्तमान मोदी सरकार का भी ये आखिरी बजट होगा। केन्द्रीय वित्त मंत्री स्वयं महिला होने के नाते अवश्य इस बात को महसूस करती होगी कि नारी को वर्तमान में किस तरह की आवश्यकताएं और उम्मीदें बजट से है। बजट का सर्वाधिक फोकस ऐसी नीतियां बनाने पर होना चाहिए जो महंगाई नियंत्रित करने के साथ रसोई की जरूरते सीमित बजट में पूरी करने में सहायक साबित हो। जरूरी वस्तुओं पर जीएसटी दरों को तर्कसंगत बनाने के साथ कुछ राहत भी दी जानी चाहिए। महिलाओं के समक्ष सामाजिक क्षेत्र में चुनौतियां बढ़ी है ऐसे में जो महिलाएं परिवार की आजीविका का मुख्य केन्द्र भी है उनकी आय पर करों में अधिक छूट मिलनी चाहिए। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं को बेहतर अवसर हासिल हो इसके लिए भी बजट में ठोस प्रावधान किए जाए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक ज्ञानेन्द्र मिश्रा के लिए जैमन प्रिन्टर्स प्राइवेट लिमिटेड, जी-1-68, रोड नम्बर-14, वीकेआई, जयपुर से मुद्रित एवं प्रशासनिक और विज्ञापन कार्यालय : बी-132, जे.पी. कॉलोनी, सैक्टर-4, विद्याधर नगर, जयपुर-302039 से प्रकाशित। फोन : 0141-3587886

पंचांग

ज्योतिर्विद्
अक्षय शास्त्री

साकेत पंचांग, अन्तरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता

जागरूक जनता पंचांग, नक्षत्र, तिथि, चौघड़िया

सूर्योदय-सूर्यास्त, तिथि

बुधवार, 01/02/2023

सूर्योदय : 07:18 **सूर्यास्त :** 17:54 **चन्द्रोदय :** 14:02 **चन्द्रास्त :** 03:58 **शक सम्वत :** 1944 सुभाकृतु **अमान्ता महीना :** माघ **पूर्णिमांत :** माघ **सूर्य राशि :** मकर **चन्द्र राशि :** वृषभ **पक्ष :** शुक्ल **तिथि :** एकादशी, 14:03 तक **वार :** बुधवार **शक सम्वत :** 1944 शुभकृत **विक्रम सम्वत :** 2079 राक्षस **गुजराती सम्वत :** 2079 आनन्द **चन्द्रमास माघ :** पूर्णिमान्त **माघ :** अमान्त

नक्षत्र, योग, करण

नक्षत्र : मृगशीर्षा, 27:22 तक
योग : इंद्र, 11:20 तक
प्रथम करण : विष्टि, 14:03 तक
द्वितिय करण : बावा, 27:14 तक

शुभ समय

ब्रह्म मुहूर्त	05:24 ए एम से
प्रातः सन्ध्या	05:51 ए एम से
विजय मुहूर्त	02:23 पी एम से
गोधूलि मुहूर्त	05:57 पी एम से
सायाह्न सन्ध्या	06:00 पी एम से
अमृत काल	05:35 पी एम से
निशिता मुहूर्त	12:08 ए एम, फरवरी 02 से
सर्वार्थ सिद्धि योग	07:10 ए एम से

निवास और शूल

दिशा शूल : उत्तर में
राहु काल वास दक्षिण-पश्चिम में
होमाहुति : शनि
कुंभ चक्र: पश्चिम में

चौघड़िया

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया
लाभ	: 07:18 - 08:37	उद्वेग : 05:53 - 07:34
अमृत	: 08:37- 09:57	शुभ : 07:34 - 09:14
काल काल वेला	: 09:57 - 11:16	अमृत : 09:14 - 10:55
शुभ	: 11:16 - 12:35	चर : 10:55 - 12:35
रोग वार वेला	: 12:35 - 01:55	रोग : 12:35 - 02:16
उद्वेग	: 01:55 - 03:14	काल : 02:16 - 03:56
चर	: 03:14 - 04:34	लाभ : 03:56- 05:37
लाभ	: 04:34- 05:53	उद्वेग : 05:37 - 07:17

अमृत, शुभ, लाभ और चर को शुभ चौघडिया माना जाता है एवं उदवेग, काल एवं रोग को अशुभ चौघडिया माना जाता है।

आज एकादशी

आज कौन सा कार्य करें

व्रत, उपवास, धार्मिक कृत्य, देवोत्सव, उद्यापन तथा कथा एकादशी में शुभ है।

बुधवार को क्या करें

बुधवार की प्रकृति चर और सौम्य मानी गई है। यह भगवान गणेश और दुर्गा का दिन है। कमजोर मस्तिष्क वालों को बुधवार के दिन उपवास रखना चाहिए।
ये कार्य करें :- सूखे सिंदूर का तिलक लगाएं। बुधवार को दुर्गा के मंदिर जाना चाहिए। पूर्व, दक्षिण और नैऋत्य दिशा में यात्रा कर सकते हैं। इस दिन जमा किए गए धन में बरकत रहती है। मंत्रणा, मंथन और लेखन कार्य के लिए भी यह दिन उचित है। ज्योतिष, शेयर, दलाली जैसे कार्यों के लिए भी यह दिन शुभ माना गया है।
यह कार्य न करें:- उत्तर, पश्चिम और ईशान में यात्रा न करें। बुधवार को धन का लेन-देन नहीं करना चाहिए। बुधवार को लड़की की माता को सिर नहीं धोना चाहिए, ऐसा करने से लड़की का स्वास्थ्य बिगड़ता है या उसके समक्ष कोई कष्ट आता है।

नोट : शुक्ल पक्ष में एक से पंचमी तक तिथियां अशुभ कही गई हैं, क्योंकि इन तिथियों में चंद्रमा क्षीण बल होता है और चंद्र बल उन दिनों नहीं रहने से कार्य सफल नहीं होते हैं। इसी प्रकार कृष्ण पक्ष की एकादशी से अमावस्या तक तिथियों में चंद्र बल क्षीण होने से शुभ कार्य नहीं करने चाहिए।

राशिफल

माघ, शुक्ल, एकादशी, 2079 बुधवार, 1 फरवरी - 7 फरवरी, 2023

मेष [चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ]
कम समय में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। मध्यान पश्चात मित्र-परिजनों के साथ मनोरंजन के अवसर मिलेंगे धार्मिक कार्यो में भी उपस्थिति देंगे। उत्तम भोजन वाहन सुख मिलेगा।

तुला [रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते]
संतान से पुराने मतभेद उभरने से पारिवारिक वातावरण अशान्त होगा। आर्थिक स्थिति बिगड़ने से कर्ज लेना पड़ सकता है। कार्य क्षेत्र पर आरंभिक बिक्री के बाद आज उदासीनता छायी रहेगी।

वृषभ [ई,उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो]
क्रय-विक्रय के व्यापार से लाभ होगा विदेशी वस्तुओ के व्यापार में निवेश आगे के लिये लाभदायक रहेगा। प्रेम प्रसंगों में सम्बन्ध बिगड़ेंगे। संध्या बाद असंयमित दिनचर्या से थकान रहेगी।

वृश्चिक [तो,ना,नी, नू,या,यी,यू]
नौकरी पेशाओ को अतिरिक्त कार्य मिलने से असुविधा होगी काम लापरवाही से करेंगे। मित्रो के साथ बाहर घूमने का अवसर मिलेगा। ससुराल से लाभ होगा। पारिवारिक दायित्व बढ़ने से व्यस्तता रहेगी।

मिथुन [क, की,कु,घ, ड,छ,के,को,ह]
आकस्मिक यात्रा के योग बनेंगे यात्रा में चोटादि का भय है सावधान रहें। सरकारी दस्तावेजो को संभाल कर रखें। संतान के कारण हानि हो सकती है। विदेशी अथवा दूर रहने वाले व्यक्ति से लाभ हो सकता है।

धनु [ये, यो, भा, भी, भू, धा, फ, ढ, भे]
नौकरीपेशा जातको को मेहनत का फल मिलेगा। विरोधियो पर विजय प्राप्त करेंगे। शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकारों के लिए सप्ताह विशेष लाभदायक रहेगा।

कर्क [हि, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो]
कार्य क्षेत्र या घर में परिवर्तन अथवा साज सज्जा में बदलाव भी कर सकते है समाज के प्रतिष्ठित लोगो से सम्मान मिलेगा लेकिन आर्थिक लाभ थोड़ा विलम्ब से होगा। दाम्पत्य सुख उत्तम रहेगा।

मकर [भो, जा,जी, जू, खा, खू, गा, गी,]
परिजनों के साथ मित्रवत व्यवहार रहेगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति के कारण खर्च बढ़ने से असहज अनुभव करेंगे। उधार से बचे। सेहत ठीक रहेगी। आलस्य का वातावरण रहेगा।

सिंह [मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टु, टे]
व्यवहार कुशलता व संतोषि स्वभाव से सम्मानित होंगे। उधारी वसूलने में परेशानी आ सकती है। घर में मेहमानों के आने से वातावरण आनंदित होगा। पारिवारिक खर्च बढ़ने से परेशानी भी होगी।

कुंभ [गू, गे, गो,सा, सी, सू, से, सो, दा]
नए कार्यो का आरंभ आज ना करें ना ही किसी को उधार दें। इसके बाद परिवार के सदस्यों का सहयोग मिलने लगेगा लेकिन घरेलू आवश्यकताओं को नजरअंदाज करने से अशांति बढ़ेगी।

कन्या [टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो]
मित्र परिजनों के साथ ज्यादा समय बिताना पसंद करेंगे। फिजूल खर्ची से बचें। शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहने से सप्ताह उत्साह पूर्ण रहेगा।

मीन [दी, दू, थे, झ, ञ, दे, दो, चा, चि]
आर्थिक लाभ के लिए अधिक प्रयत्न करना पड़ेगा मध्यान के समय किसी मनोकामना की पूर्ति होने से प्रसन्न रहेंगे।

आचार्य राजेश शास्त्री, जयपुर

कैबिनेट मंत्री खाचरियावास ने 12 बजे के बाद क्लब खुलना गैरकानूनी बताया, बोले...

12 बजे बाद क्लब खुलने पर पुलिस जिम्मेदार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजधानी जयपुर में सरकार की ओर से रात 12 बजे के बाद कोई भी क्लब नहीं खुलने के निर्देशों के बावजूद जयपुर में कई क्लबों के देर रात तक खुले जाने की मिल रही शिकायतों के बाद अब जयपुर के सिविल लाइं, से विधायक और कैबिनेट मंत्री प्रतापसिंह खाचरियावास का भी इस मामले में बड़ा बयान सामने आया है। प्रताप सिंह खाचरियावास ने रात 12 बजे के बाद क्लब खुले रहने के लिए जयपुर पुलिस को जिम्मेदार बताया है। खाचरियावास ने कहा कि रात 12 बजे के बाद क्लब खुलना गैरकानूनी है और क्लब बंद करवाना पुलिस की जिम्मेदारी है जो नहीं हो रही है। मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने आज विधानसभा के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि उन्होंने रात 12 बजे के बाद खुले हुए क्लब के वीडियो बनाकर पुलिस कमिश्नर आनंद श्रीवास्तव को भेजे हैं, उन्होंने कहा कि जयपुर का जनप्रतिनिधि होने के चलते मैं अब क्लब बंद करवाने के लिए सड़कों पर उतरुंगा और पुलिस अधिकारियों के कामकाज की मॉनिटरिंग करूंगा।

अधिकारियों की मर्जी से तय नहीं आर्म्स लाइसेंस

खाचरियावास ने जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की मर्जी से आर्म्स लाइसेंस दिए जाने को लेकर भी सवाल खड़े किए। मंत्री खाचरियावास ने कहा कि आर्म्स लाइसेंस देने का मामला पेंडिंग चल रहा है, अपराधी तो अवैध हथियार से फायरिंग कर रहा है और जो इज्जतदार लोग हैं जिनके बापदादा के समय से लाइसेंस है, उन्हें लाइसेंस देने में आनाकानी की जा रही है। जिन व्यक्तियों का करोड़ों का ट्रांजैक्शन है और उन पर भी कोई आपराधिक मुकदमा दर्ज नहीं है। ऐसे व्यक्तियों को भी लाइसेंस नहीं दिया जा रहा है, उन्होंने कहा कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मनमर्जी नहीं चलेगी। इस संबंध में जल्द ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से बात करेंगे।

कानून व्यवस्था मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी

मंत्री खाचरियावास ने कहा कि कानून व्यवस्था मजबूत करना हमारी जिम्मेदारी है और इसके लिए हमें कुछ भी करना पड़े तो करेंगे। मंत्री खाचरियावास ने कहा कि सिफारिश कराकर पोस्टिंग कराने वाले अधिकारियों को भी सुन लेना चाहिए कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी जो भी अधिकारिक गड़बड़ी करेगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त एक्शन लेंगे।

लापरवाह अधिकारियों को भेजेंगे जयपुर से बाहर

मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने कहा कि पुलिस अधिकारियों की ड्यूटी बनती है कि वो सरकार के आदेशों की पालना कराएं। चिंतन शिविर के दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी कह चुके हैं कि सरकार के आदेशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों को बर्खास्त करें, खाचरियावास ने कहा कि वो जयपुर के जनप्रतिनिधि हैं और अब इस मामले को लेकर सड़कों पर उतरेंगे और पुलिस अधिकारियों के कामकाज के मॉनिटरिंग करेंगे और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को मौके से ही जयपुर से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। अगर कोई फरियादी पुलिस को शिकायत लेकर आता है तो उस पर तत्काल कार्रवाई होनी चाहिए।

आर्य समाज वैशाली नगर का 22वां वार्षिकोत्सव सम्पन्न

ईश्वर के उपकारों को मानना, ईश्वर प्राप्ति की सबसे पहली सीढ़ी है-मुनि

भामाशाह प्रदीप शर्मा के सान्निध्य में पंच कुंडीय विश्व कल्याण महायज्ञ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। आर्य समाज वैशाली नगर का दो दिवसीय 22वां वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कई धार्मिक आयोजन भी आयोजित किए गए। सामुदायिक भवन गोम्स डिफेन्स कॉलोनी, गुरुद्वारे के पास आयोजित कार्यक्रम के मुख्यकर्ता एवं समाजसेवी भामाशाह प्रदीप शर्मा ने बताया कि माघ शुक्ला सप्तमी और अष्टमी को आयोजित कार्यक्रम में यज्ञ ब्रह्मा मुनि सत्यजित प्रबंधक न्यासी वानप्रस्थ साधक आश्रम रोजड़, गुजरात मंत्री परोपकारिणी सभा अजमेर की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर मुनि सत्यजित ने वेद के अनुसार ईश्वर के स्वरूप को विस्तार से सत्संग में उपस्थित श्रद्धालुओं को सुनाया। उन्होंने बताया कि ईश्वर के द्वारा किए हुए उपकारों को मानना, स्वीकार करना ईश्वर प्राप्ति की सबसे पहली सीढ़ी है। कार्यक्रम के दौरान समाजसेवी प्रदीप शर्मा ने भी अपने विचार रखें।

कार्यक्रम में आचार्य उपर्बुध, आचार्य रविशंकर आर्य, डॉ. गायत्री पंवार, श्रुति शास्त्री, डॉ.कृष्णपाल सिंह, देवेन्द्र शास्त्री, डॉ. मुरारीलाल एवं ज्योति आर्या विशिष्ट अतिथि थे। कार्यक्रम में के.के. वशिष्ठ प्रधान, आशीष मिनोचा मंत्री, हनुमान शर्मा संयुक्त मंत्री दीपिका छाबड़ा उपमंत्री वेदप्रकाश आर्य कोषाध्यक्ष, आर.के. नारंग

वरिष्ठ उप प्रधान, धर्मवीर गोम्बर वरिष्ठ उप प्रधान एवं रमेश आर्य पुस्तकालय अध्यक्ष एवं आर्यसमाज कार्यकारिणी ने अपनी सेवाएं दी। कार्यक्रम के अनुसार 28 जनवरी को यज्ञ, भजन एवं प्रवचन आयोजित किए गए। जिसके मुख्य अतिथि मोतीलाल शर्मा (रिटायर्ड प्रधानाचार्य शिक्षाविद्), मुख्य अतिथि रंजना जैन (स्त्री रोग विशेषज्ञ), एवं प्रमोद शर्मा थे। सायंकालीन सत्र में एम.एल. गोयल (पूर्व क्षेत्रीय निदेशक डीएवी शिक्षण संस्थाएं राजस्थान) अध्यक्ष एवं दिनेश अरोड़ा (निदेशक कोहिनूर एक्सपोर्ट्स जगतपुरा) मुख्य अतिथि थे। इसी प्रकार कार्यक्रम के दूसरे व अंतिम दिन 29 जनवरी को अध्यक्ष जगदीश शर्मा (वरिष्ठ पत्रकार) एवं मुख्य अतिथि प्रदीप शर्मा (भामाशाह एवं समाजसेवी विद्याधर नगर) के अलावा भी बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन कार्यक्रम में उपस्थित थे। कार्यक्रम के पश्चात ऋषि लंगर भी आयोजित किया गया।

खाद्य सुरक्षा योजना : 8 लाख दिव्यांगों, असमर्थ परिवारों को राशन का इंतजार

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में खाद्य सुरक्षा योजना के तहत संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली बेपटरी होती नजर आ रही है। योजना के लाभ से सबसे ज्यादा परेशान 8 लाख दिव्यांग, बुजुर्ग और असमर्थ परिवार हो रहे हैं। क्योंकि खाद्य विभाग इनके लिए घर तक राशन पहुंचाने की योजना को धरातल पर नहीं ला सका। योजना विभाग के कागजों में ही 5 किलो, 10 किलो के गेहूं के पैकेट घरों तक पहुंचा रही है। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बीते वर्ष सितंबर में इस योजना पर काम शुरू किया था। लेकिन काम कछुआ चाल से चला। आज भी पत्रावली कई स्तरों पर मंजूरी के लिए इधर से उधर घूम रही है। योजना पर 28 करोड़ 41 लाख रुपए खर्च का आकलन भी कर लिया गया है। उधर अधिकारियों का कहना है कि मार्च की शुरुआत में इस योजना को शुरू कर दिया जाएगा। पत्रावली को मंजूरी के लिए वित्त विभाग में भेजा गया है।

मार्च से 3.39 लाख नए पात्र लाभार्थियों को मिलेगा गेहूं

विधानसभा में खाद्य सुरक्षा योजना में जोड़े गए 3.39 लाख नए लाभार्थियों को गेहूं देने का मामला विधायक बलवान पूनिया समेत कई विधायकों ने उठाया। इस पर खाद्य मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने आश्वस्त किया कि पात्र लाभार्थियों को मार्च से गेहूं वितरण किया जाएगा। नाम जोड़ने के लिए 19.57 लाख से ज्यादा आवेदन मिले। इनमें से 3.49 लाख से ज्यादा आवेदन स्वीकृत कर दिए गए हैं। सत्यापन के लिए 10 लाख 12 हजार 269 से अधिक आवेदन लंबित हैं। पूनिया के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में खाद्य मंत्री ने बताया कि योजनान्तर्गत लाभार्थियों के लिए गेहूं आंवटन प्रक्रिया के अनुसार होगा।

प्रदीप गोवा में तकनीकी अधिकारी नियुक्त

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। दूसरे खेलो इंडिया वेस्ट जोन विमेन जुडो टूर्नामेंट गोवा में 31 जनवरी से 4 फरवरी तक आयोजित होंगे जिसमें टोंक जिले के प्रदीप कुमार शर्मा निर्णायक की भूमिका निभाएंगे। इस टूर्नामेंट के लिए राजस्थान से कुल 5 तकनीकी अधिकारियो की नियुक्ति की गई है। जिनमें डॉक्टर शेर सिंह श्रीगंगानगर, विनीत विश्नोई हनुमानगढ़, प्रदीप कुमार शर्मा टोंक, सुशील सेन उदयपुर एवं अंकित कुमार जयपुर से शामिल है। इनके चयन पर जुडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव मनमोहन जायसवाल राजस्थान राज्य जूडो संघ के महासचिव महिपाल ग्रेवाल ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। साथ ही, टोंक जिला जूडो संघ के अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता, जिला जूडो संघ सचिव राधेश्याम नावरिया, सीमा धाभाई, रूपनारायण चौधरी, हरिराम जाट, महावीर प्रसाद यादव, बलबीर चौधरी, प्रहलाद गुर्जर, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय गुंसी के शारीरिक शिक्षा शिक्षक संजय शर्मा, पूर्व खेल अधिकारी मुकेश शर्मा, राउमा विद्यालय सवाई माधोपुर के घनश्याम शर्मा, सेवानिवृत्त वॉलीबॉल कोच अतीक उल्लाह खान, मिथुन मादीवाल, सावित्री शर्मा, झीलमवती ने इनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए चयन पर हर्ष व्यक्त किया है।

राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि देकर जुटाया जन समर्थन

571 आवंटी पत्रकारों के दल ने किया गांधीवादी प्रदर्शन

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाकात के लिए 20 दिन से उनके घर रोजाना पहुंच रहे पिंकसिटी प्रेस एनक्लेव, नायला के आवंटी पत्रकारों ने सोमवार को यहां गांधी सर्किल पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा के समक्ष मौन प्रदर्शन किया। आवंटी पत्रकारों ने गांधी टोपी लगाकर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी और सर्किल के चारों ओर मानव श्रंखला बनाकर जन समर्थन जुटाया। चलो नायला संगठन के आह्वान पर शहीद दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री से मिलने की उम्मीद में बड़ी संख्या में आवंटी पत्रकार सर्किल पर जमा हुए। पत्रकारों ने गांधी टोपी पहनकर सुबह 11 बजे गांधी प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित किए और 2 मिनट का मौन रखकर राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद आवंटी पत्रकारों ने सर्किल के चारों ओर मानव श्रंखला बनाई और हाथों में 'मुख्यमंत्री जी हमसे मिलो' लिखे पोस्टर दिखाकर जन समर्थन जुटाया। 571 पत्रकारों को 10 साल पहले प्लॉट आवंटन के बावजूद बिना किसी गलती के कब्जा पत्र और जेडीए पट्टा नहीं दिया जा रहा है। इसके खिलाफ आवंटी पत्रकार पिछले 4 माह से योजना स्थल से जेडीए तक आंदोलन कर रहे हैं। 20 दिन से 5-5 आवंटी जत्थे बनाकर मुख्यमंत्री निवास पहुंच रहे हैं और आवंटन दस्तावेज और ज्ञापन देकर मुख्यमंत्री से मिलाने की मांग कर रहे हैं। गौरतलब है कि नायला पत्रकार नगर की जेडीए से भेजी तथ्यात्मक रिपोर्ट गत एक माह से मुख्यमंत्री की स्वीकृति के इंतजार में सीएमओ रखी है और मुख्यमंत्री तीन बार स्वयं आवंटियों से मिलकर पट्टे शीघ्र देने की बात कह चुके हैं।

ओके प्लस स्क्वायर वेलफेयर सोसाइटी के चुनाव संपन्न

जयपुर @ जागरूक जनता। मानसरोवर स्थित ओके प्लस स्क्वायर वेलफेयर सोसाइटी के कार्यकारिणी चुनाव बीते दिनों संपन्न हुए। नई कार्यकारिणी में एम एस पोलोस अध्यक्ष, पंकज खंडेलवाल उपाध्यक्ष, सौरभ माथुर सचिव, प्रदीप पीआर कोषाध्यक्ष, देवकीनंदन गोधा संयुक्त सचिव, फलक अग्रवाल संयुक्त कोषाध्यक्ष चुने गए, इसके अतिरिक्त अंजू गुप्ता, चंद्रकला गुप्ता, राधा मित्तल, मयूर मधु, जितेंद्र भट्ट, अल्केश गुप्ता, शीतल पाटीदार व राजेंद्र पुरी गोस्वामी को कार्यकारिणी सदस्य चुना गया। ओके प्लस वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान सोसायटी एक्ट के अंतर्गत एक रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी है जो मानसरोवर के सबसे बड़े कमर्शियल भवन ओके प्लस स्क्वायर का संचालन करती है जहां एयरटेल, टैफे, इंडस इंड बैंक समेत 100 से अधिक ऑफिस और शोरूम स्थित है।

जोधपुर पार्षदों को मिलेगा आईपैड, 697 करोड़ का बजट

जोधपुर @ जागरूक जनता। नगर निगम दक्षिण में साधरण सभा की बैठक सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर दिवंगतों के शोक प्रस्ताव पढ़ने व दो मिनट का मौन रखने के साथ शुरू हुई। इसके बाद महापौर वनिता सेठ ने बजट भाषण पढ़ा। 697 करोड़ 63 लाख 97 हजार का बजट पेश किया। इधर, बजट के शुरुआत में पार्षदों को आईपैड देने की घोषणा की है। भाषण के बाद पढ़े गए प्रस्तावों में शहर के मुख्य नालों को जोजरी से नहीं जोड़ने पर खुलकर चर्चा हुई। पार्षद प्रदीप बेनीवाल ने कहा कि लंबे समय से नाले शहर की परेशानी बने हुए है। शर्म आती है नालों की समस्या का निस्तारण नहीं कर पाए। इस बात पर भाजपा के पार्षदों ने सदन में मुख्यमंत्री के खिलाफ नारे लगाए तो कांग्रेस के पार्षदों ने कहा मुख्यमंत्री को बीच में क्यों लाते हो काम निगम का है। सूरसागर विधायक सूर्यकांता व्यास में बोर्ड बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इतने बड़े नगर निगम का बजट सिर्फ 4 पन्नों में है यह अच्छा नहीं है। इसकी फिर से समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इस बजट में शहर को अच्छा बनाने और सुंदर बनाने के लिए कोई भी पहल नजर नहीं आ रही है। साथ ही कहा कि राज्य सरकार भी जब बजट बनाती है तो जनप्रतिनिधियों और जनता से सुझाव लेती है। लेकिन नगर निगम में ऐसा क्यों नहीं किया जाता। उन्होंने शहर के हेरिटेज को बचाने, पाक और तालाब को संरक्षित करने जैसे कई मुद्दे भी सदन में रखें।

ANCHOR | सौगात

प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर होगी पानी की जांच

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। प्रदेश में इसी साल लोगों को पानी की जांच की सौगात मिल सकती है। 249 नई ब्लॉक स्तरीय प्रयोगशालाओं के लिए भवन तलाश कर उनकी मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया है। इसी साल मार्च तक भवन तैयार हो जाएंगे, इसके बाद नई प्रशोगशालाएं शुरू हो जाएगी। प्रयोगशालाएं चालू होने के बाद प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर पानी जांच की सुविधा मिलेगी। इससे लोगों को शुद्ध पेयजल का सपना साकार हो सकेगा।

पेयजल की गुणवत्ता जांच के लिए 75 करोड़ रुपए खर्च कर 250 ब्लॉक स्तरीय पेयजल गुणवत्ता जांच प्रयोगशालाएं बनाई जा रही है। इसके लिए जलदाय विभाग ने 249 प्रयोगशालाओं के लिए भवन तलाश कर उनकी मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। वर्तमान में 168 प्रयोगशाला भवनों की रिपेयर का काम चल रहा है। एक भवन पर विभाग करीब 5 लाख रुपए खर्च कर रहा है। 249 भवनों को मार्च तक तैयार करने की समय सीमा दी गई है। हालांकि बारां जिले में एक ब्लॉक में अभी भवन चिह्नित नहीं किया गया है। यहां कोई तैयार भवन ही नहीं है। ऐसे में यहां तय समय पर प्रयोशाला बनना मुश्किल लग रहा है।

अगले माह उपकरण खरीद की प्रक्रिया शुरू

जलदाय विभाग ने 250 प्रयोगशालाओं में उपकरण खरीदने की प्रक्रिया शुरू करने की तैयारी कर ली है। विभाग के अधिकारियों की मानें तो फरवरी में उपकरण खरीद के लिए टेंडर कर लिए जाएंगे। इसके 120 दिन बाद में नई प्रयोगशालाएं शुरू होने की उम्मीद लगाई जा रही है। विभाग एक प्रयोगशाला पर करीब 30 लाख रुपए खर्च करेगा। इसके अलावा भवन मरम्मत पर एक प्रयोगशाला पर करीब 5 लाख रुपए अलग से खर्च किए जा रहे है। ऐसे में एक प्रयोगशाला पर करीब 35 लाख रुपए खर्च किए जा रहे है।

2013-14 में हुई थी कवायद

प्रदेश में पानी गुणवत्ता जांच के लिए प्रयोगशालाएं बनाने की कवायद शुरू हुई थी। जलदाय विभाग ने इसके लिए टेंडर भी कर लिए थे, हालांकि तक जगह नहीं मिल पाने से प्रयोगशालाओं का सपना अधूरा रह गया था। अब नए सिरे से प्रयोगशालाएं शुरू करने की तैयारी की गई, जिसमें जगह ही बजाय पहले से मौजूद भवनों में ही प्रयोगशालाएं शुरू करने की शर्त रखी गई। हालांकि इसकी मरम्मत के लिए अलग से बजट का प्रावधान किया गया है।

अभी सिर्फ जिला स्तर पर ही पानी की गुणवत्ता जांच

अभी प्रदेश में सिर्फ जिला स्तर पर ही पानी की गुणवत्ता जांच के लिए 33 प्रयोगशालाएं कार्यरत हैं, इनमें एक राज्य स्तर पर है बाकि जिलों में स्थापित की गई हैं।

प्रयोगशालाएं इसी साल होगी शुरू

जलदाय विभाग के चीफ कैमिस्ट आर.के. मीना का कहना है कि ब्लॉक स्तरीय प्रयोगशालाएं इसी साल शुरू जाएंगी। प्रदेश में ब्लॉक स्तर पर 249 प्रयोगशालाओं के लिए भवन तलाश कर लिए गए है। इनमें 168 भवनों में अभी रिपेयर का काम चल रहा है, जो मार्च तक पूरा हो जाएगा। फरवरी में उपकरण खरीद के टेंडर कर लिए जाएंगे। इसके बाद ब्लॉक स्तर पर पानी गुणवत्ता की जांच शुरू हो जाएगी।

जागरूक खबरें

गूंजेंगे भोले के जयकारे, भादरा में महाशिवरात्रि महोत्सव 8 से

हनुमानगढ़ @ जागरूक जनता। भारतीय संस्कृति के संवर्धन व गौ सेवार्थ आठ फरवरी से अखिल भारतवर्षीय धर्मसंघ व स्वामी करपात्री फांउडेशन की अगुवाई में महाशिवरात्रि महोत्सव प्रबल महाराज की कुटिया, भादरा में होगा। 18 फरवरी, शनिवार तक अनेक कार्यक्रम होंगे। आठ से दस फरवरी तक शिव पंचायतन प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव होगा। इसके बाद 11 फरवरी से 17 फरवरी तक श्रीमद भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। युवा तपस्वी संत डॉ. गुण प्रकाश चैतन्य की अध्यक्षता में समर्थश्री त्रयम्बकेश्वर चैतन्य के मुखारबिंद से श्रीमद भागवत कथा का रसपान रोजाना दोपहर दो से छह बजे तक होगा। साथ ही भागवत कथा से पहले रोजाना सुबह आठ से दोपहर बारह बजे तक व अपरान्ह दो से शाम छह बजे तक 100 कुंडीय पंचदेव महायज्ञ भी होगा। 19 फरवरी को सुबह से ही अखंड भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री शाह आएंगे राजस्थान

जयपुर @ जागरूक जनता। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह राजस्थान आएंगे। फरवरी के पहले पखवाड़े में शाह के आने का कार्यक्रम है। फिलहाल पार्टी ने कार्यक्रम की आधिकारिक घोषणा नहीं की है। शाह 9 से 15 फरवरी तक आ सकते हैं। वे भरतपुर में संगठन के संभाग स्तरीय कार्यक्रम में आएंगे। साथ ही शाह जिलों की बैठक भी लेंगे। चुनावी साल में केंद्रीय गृहमंत्री का यह पहला राजस्थान दौरा होगा।

हाजी महबूब भाई ने चोपदार साहब से की शिष्टाचार भेंट

जयपुर @ जागरूक जनता। ऑल इंडिया मंसूरी समाज राजस्थान वक्फ बोर्ड किशनगढ़ अजमेर के हाजी महबूब भाई ने राजस्थान के नवनियुक्त मदरसा बोर्ड के अध्यक्ष एमडी चोपदार से जयपुर में शिष्टाचार भेंट की। इस मौके पर हाजी महबूब भाई ने माला, साफा और शॉल ओढ़ाकर मुबारकबाद दी। इस दौरान उन्होंने कि राजस्थान मदरसा बोर्ड को ऐसे ही नेता की जरूरत थी जो निस्वार्थ भाव से मदरसा के जरिए मुस्लिम समाज में शिक्षा पर काम कर सकें, आप के रूप में हमे एक ऐसा लीडर मिला है जो समाज सेवा के लिए प्रदेशभर में विख्यात है। उम्मीद है कि आप मुस्लिम समाज की शिक्षा को नया आयाम तक पहुंचाएंगे। वही एमडी चोपदार मे कहा कि कॉंग्रेस सरकार ने मुझे जो जिम्मेदारी दी वो पूरी निष्ठा से निभाएंगे।

सूरत की दो बहनों से रेप मामले में आसाराम बापू को उम्रकैद

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। कथावाचक आशाराम बापू को गुजरात की गांधीनगर कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। आशाराम बापू को यह सजा सूरत की दो बहनों के साथ रेप के मामले में मिली है। आशाराम बापू पहले से जोधपुर कोर्ट के फैसले के आधार पर नाबालिग से रेप के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे है। अब गांधीनगर कोर्ट ने उन्हें बलात्कार के एक और मामले में दोषी पाते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। 31 जनवरी को गांधीनगर कोर्ट ने महिला शिष्या से रेप के मामले में आसाराम बापू को सजा सुनाई। एक दिन पहले 30 जनवरी को कोर्ट ने आशाराम बापू को दोषी करार दिया है। आसाराम पर सूरत की एक महिला ने करीब 10 साल पहले अहमदाबाद के मोटेरा आश्रम में बार-बार रेप करने का आरोप था।

चुनावी साल में जातियों को साधने की रणनीति : आदिवासी-गैर आरक्षित वर्ग की भागीदारी बढ़ेगी

मोदी कैबिनेट में राजस्थान से 2 नए चेहरे संभव

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। इस साल नौ राज्यों में विधानसभा चुनाव और अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए केंद्रीय कैबिनेट में फेरबदल की सुगबुगाहट शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी में कैबिनेट में फेरबदल कर सकते हैं। इस फेरबदल में राजस्थान की भागीदारी को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। भाजपा के जानकार सूत्र बताते हैं कि इस साल होने जा रहे चुनावों में जातिगत समीकरण साधने के लिहाज से केंद्रीय मंत्रिमंडल में राजस्थान से कुछ नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। मौजूदा टीम में राजस्थान की भागीदारी कम होने के कारण इस बात की ज्यादा संभावना जताई जा रही है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में दो सांसदों को मंत्री पद मिल सकता है। वहीं संगठन में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा की टीम का विस्तार होने की स्थिति में वहां भी राजस्थान से एक या दो नए चेहरे शामिल हो सकते हैं। जुलाई 2021 के बाद मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल नहीं हुआ है। इसके बाद गुजरात और हिमाचल के चुनाव हो चुके हैं। अब चुनावी राज्यों में मैसेज देने के लिए मोदी मंत्रिमंडल में फेरबदल तय माना जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि मौजूदा मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड के आधार पर भी फेरबदल में कुछ चेहरों की भूमिका तय होगी। जिनकी परफॉर्मेंस अपने मंत्रालयों में अच्छी रही है, उनका प्रमोशन भी हो सकता है।

भाजपा का सोशल इंजीनियरिंग पर जोर

राजस्थान में पिछले दो लोकसभा चुनाव में भाजपा ने एक भी सीट कांग्रेस को नहीं जीतने दी। दोनों चुनाव में भाजपा ने सभी 25 सीटों पर कब्जा किया। 2014 के चुनाव में खुद के दम पर 25 सीटें जीतीं वहीं 2019 के चुनाव में एक सीट आरएलपी से गठबंधन करके सभी सीटों पर जीत हासिल की। इस बार भी भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व इस रणनीति में जुटा है कि राजस्थान में हर जाति वर्ग को साधा जाए। केंद्रीय कैबिनेट के फेरबदल में भी यही रणनीति दिखाई देगी। भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व की ओर से राजस्थान में दिए जा रहे कार्यक्रमों पर गौर करें तो यह साफ दिख रहा है कि पार्टी इस साल विधानसभा चुनाव और अगले साल लोकसभा चुनाव को जीतने के लिए पूरी तरह से जातियों और समाजों को साधने पर फोकस कर रही है। भाजपा बड़े वोट बैंक वाली जातियों को अपने पक्ष में करने के लिए चुनावी रणनीति बनाने में जुटी हुई है। राजस्थान में लगातार जाति-समाजों को साधने के लिए केंद्रीय नेताओं के कार्यक्रम आयोजित करवा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आसींद दौरा हो या इससे पहले मानगढ़ का दौरा दोनों ही कार्यक्रम में गुर्जरों और आदिवासियों को ध्यान में रखकर आयोजन किए गए। इससे पहले जोधपुर में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ओबीसी वर्ग को ध्यान में रखकर सम्मेलन कर चुके हैं। इससे पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का सवाईमाधोपुर में कार्यक्रम हुआ था, जिसमें उन्होंने एसटी और एससी वर्ग को साधा।

गैर आरक्षित वर्ग और आदिवासी वर्ग को मिल सकता है मौका

मोदी कैबिनेट में राजस्थान से अभी गैर आरक्षित और आदिवासी वर्ग की भागीदारी कम होने के कारण माना जा रहा है कि इन दोनों वर्गों से एक-एक सांसद को मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। यह भी संभव है कि मौजूदा एक या दो मंत्रियों को संगठन में जिम्मेदारी देकर उनकी जगह उन वर्गों को मौका दिया जाए, जिनकी अभी मंत्रिमंडल में भागीदारी नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा पूर्वी राजस्थान और उदयपुर संभाग में कांग्रेस से पिछड़ गई थी। इस बार इन इलाकों पर भाजपा ज्यादा जोर लगाएगी। सूत्र बताते हैं कि कैबिनेट में इन इलाकों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया जा सकता है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि इस साल जिन राज्यों में चुनाव होने वाले हैं, वहां के लिए पार्टी अपनी अलग रणनीति के तहत आगे बढ़ रही है। चुनावी राज्यों में भाजपा बड़े जाति-समाजों को साध रही है। इसी रणनीति के तहत राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे बड़े राज्यों को केंद्रीय मंत्रिमंडल में भागीदारी बढ़ाने पर पार्टी कवायद कर रही है।

सांसदों की संख्या के मुकाबले कैबिनेट में भागीदारी कम

राजस्थान से लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर भाजपा के कुल 28 सांसद है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में राजस्थान की भागीदारी की बात करें तो अभी सिर्फ चार मंत्री हैं। इनमें तीन लोकसभा सांसद गजेंद्रसिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल और कैलाश चौधरी और एक राज्यसभा सांसद भूपेंद्र यादव केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हैं। गजेंद्र सिंह शेखावत गैर आरक्षित वर्ग से आते हैं, जबकि बाकी तीनों मंत्री आरक्षित वर्ग से हैं। इनमें एक एससी और दो ओबीसी वर्ग से हैं। मंत्रिमंडल में आदिवासी वर्ग से कोई सांसद शामिल नहीं है। वहीं गैर आरक्षित वर्ग से भी सिर्फ एक मंत्री है। इसलिए संभावना है कि कैबिनेट में एक चेहरा आदिवासी और दूसरा चेहरा गैर आरक्षित वर्ग से शामिल हो सकता है।

नड्डा की टीम में भी शामिल हो सकते हैं राजस्थानी चेहरे

राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को पिछले दिनों लोकसभा चुनाव तक एक्सटेंशन मिल चुका है। चुनावी राज्यों में जीत की रणनीति के तहत नड्डा भी जल्द ही अपनी टीम का विस्तार करेंगे। ऐसे में माना जा रहा है कि राजस्थान से एक या दो नए चेहरे उनकी टीम में शामिल हो सकते हैं। अभी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, सुनील बंसल राष्ट्रीय महासचिव, अलका गुर्जर राष्ट्रीय सचिव और राज्यवर्धन सिंह राठौड़ राष्ट्रीय प्रवक्ता के तौर पर नड्डा की टीम में शामिल हैं। पार्टी की सोशल इंजीनियरिंग के तहत माना जा रहा है कि नड्डा की टीम में एसटी वर्ग और गैर आरक्षित वर्ग से एक या दो चेहरे शामिल हो सकते हैं।

बेड़े में 4 हजार से भी कम बसें : कोविड के बाद से ज्यादा हालात बिगड़े

सबसे खराब दौर से गुजर रही रोडवेज

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सबसे बड़े डिपार्टमेंट राजस्थान रोडवेज अपने पिछले 13 साल के सबसे बुरे दौर में आ गया है। ये स्थिति पिछले कोविड के बाद से ज्यादा बिगड़ी है। इन तीन साल के दौरान न केवल राजस्थान रोडवेज की बसों की संख्या कम हुई, बल्कि कई रूट्स पर बसों का संचालन बंद हो गया तो कई पर फेरे कम कर दिए है। कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले अपने जन घोषणा पत्र में रोडवेज में बसों की संख्या बढ़ाने और रूटस पर वृद्धि की घोषणा करते हुए कोई ठोस नीति बनाने की बात कही थी। कांग्रेस सरकार जब सत्ता में साल 2018 में आई तब रोडवेज के बेड़े में 5295 बसें थी और 2230 रूट्स पर संचालित हो रही थी। कोविड का दौर शुरू होने के बाद मार्च 2021 तक 5087 बसें रह गई और रूट्स घटकर 1798 रह गए। रोडवेज सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में राजस्थान रोडवेज के पास अब 3940 बसें ही बची है, जिनमें से भी केवल 3260 के करीब बसों को संचालित किया जा रहा है, बाकि की बसें स्क्रेप के तौर पर रोक रखी है। ये सभी 3260 बसें करीब 1870 रूट्स पर संचालित हो रही है।

घोषणा ने बढ़ा दी आमजन की परेशानी

लगातार बसों की संख्या कम होने और सरकार की फ्री यात्रा की घोषणा ने आमजन की परेशानी को और बढ़ा दिया है। वर्तमान गहलोत सरकार ने प्रतियोगी परीक्षा देने जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए रोडवेज में परीक्षा देने के लिए आने-जाने का किराया माफ कर रखा है। इस कारण बसों में एग्जाम के समय बहुत भीड़ रहती है। इस कारण से आमजन को इससे काफी परेशानी होती है। क्योंकि बसों की संख्या तो वैसे कम है और पेपर के समय स्टूडेंट्स की भीड़ ज्यादा आने के कारण कई रूट्स पर रोडवेज अपनी बसों का संचालन भी बंद कर देता है।

कांग्रेस ने ही बनाया था इसे मुद्दा

पिछली भाजपा सरकार के समय हुए रोडवेज को अप्रत्याशित घाटे को देखकर विपक्ष (कांग्रेस ने) ये मुद्दा भी बनाया था कि भाजपा सरकार रोडवेज निगम को बंद कर देगी। तब जनघोषणा पत्र लाने के दौरान कांग्रेस ने वादा किया था कि हमारी सरकार आएगी तो हम न केवल रोडवेज को यथावत चलने देंगे, बल्कि बसों की संख्या बढ़ाने और रूटस पर वृद्धि करेंगे और आगे के लिए कोई ठोस नीति तैयार करेंगे।

2000 बसों की खरीद करने की मांग

रोडवेज में हर दिन कम होती बसों के कारण होने वाली परेशानी को देखते हुए रोडवेज के कर्मचारियों ने सरकार से बसों की खरीद करने की मांग की है। राजस्थान परिवहन निगम मंत्रालयिक एवं अधीनस्थ कर्मचारी संघ ने कई बार सरकार को पत्र लिखकर 2000 बसों की खरीद कर रोडवेज के बेड़े में शामिल करने की मांग की है। वहीं संघ की ओर से इस निगम को राज्य सरकार का विभाग बनाने की भी मांग की जा रही है।

जोधपुर-बीकानेर के बीच रोडवेज की लग्जरी बस सेवा शुरू

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की ओर से जोधपुर से बीकानेर के लिए एसी सुपर लग्जरी बस सेवा शुरू की गई है। राजस्थान रोडवेज की यह बस जोधपुर से शाम 5.30 बजे प्रस्थान कर वाया नागौर, नोखा होते हुए रात 10 बजे बीकानेर पहुंचेगी। वापसी में सुबह यह बस 5.25 बजे बीकानेर से प्रस्थान कर सुबह 10 बजे जोधपुर पहुंचेगी। यह सुपर लग्जरी बस सेवा लगभग 4.30 घण्टे में जोधपुर से बीकानेर के बीच की दूरी तय करेगी। जोधपुर से बीकानेर मार्ग पर प्रति यात्री किराया 417 रूपए, महिला यात्री किराया 330 रूपए एवं बालक यात्री किराया 225 रूपए निर्धारित किया गया है। जोधपुर-बीकानेर मार्ग पर नागौर, खींवसर, नोखा, देशनोक जाने वाले यात्रियों को भी इस बस सेवा का लाभ मिल सकेगा।

बीमित फसल में नुकसान होने पर कृषक घटना के 72 घण्टे में दे सकते हैं सूचना

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

सिरोही। जिले में रबी की फसल मौसम अवधि में सम्भावित ओलावृष्टि जैसे स्थानीय आपदा के तहत प्रधानमंत्री फसल बीमा योजनान्तर्गत ओलावृष्टि के कारण बीमित फसल को नुकसान होने पर घटना के 72 घण्टे में प्रभावित किसान फसल बीमा एप्प या टोल फ्री नम्बर या लिखित में सूचना दे सकते है। इसके लिए बीमा के नोटीफिकेशन अन्तर्गत निर्धारित प्रपत्र 6 का उपयोग करें। कृषि विस्तार के संयुक्त निदेशक संजय तनेजा ने बताया कि सिरोही जिले के लिए फसल बीमा धारक कृषक यूनिवर्सल सोम्पो जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी के टोल फ्री नम्बर 18002005142 पर भी सूचना दे सकते है। कृषि संयुक्त निदेशक ने बताया कि जिले में रबी फसलों में गेहूं, सरसों, चना व जीरा की फसलों का बीमा तहसील व पटवार में अधिसूचित फसलों के अनुसार वित्तीय संस्थाओं एवं कृषक स्वयं स्तर से कुल 55007 पॉलिसियां जारी की गई है। लगभग 21267 हैक्टेयर में फसल बीमा हुआ है। गौरतलब है कि अधिसूचित बीमा इकाई फसल में ओलावृष्टि, भू.स्खलन, बादल फटना, बिजली गिरने से प्राकृतिक आग एवं जल प्लावन से व्यक्तिगत आधार पर हुए नुकसान को बीमा के तहत माना गया है।

कोटा में बनेगी देश की पहली सीए कॉलोनी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। नगर विकास न्यास कोटा की ओर से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए रिहायशी कॉलोनी की योजना के ब्रोशन विमोचन यूआईटी अधिकारियों ने एक निजी होटल में किया। कोटा सीए ब्रांच के चेयरमैन सीए शशांक गर्ग व सचिव सीए सुरेंद्र मित्तल ने बताया कि यूआईटी कोटा की ओर से चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए शंभूपुरा ग्रोथ सेंटर में एक रिहायशी कॉलोनी बसाई जा रही है। इसमें सीए सदस्यों के लिए करीब 300 भूखंड चिन्हित किए गए हैं। भूखंडों का आवेदन यूआईटी के माध्यम से किया जाएगा। यूआईटी की यह प्लानिंग केवल उन्हीं चार्टर्ड अकाउंटेंट के लिए है, जो कोटा सीए ब्रांच में पंजीकृत है। सीआईआरसी सचिव सीए लोकेश माहेश्वरी ने बताया कि इस तरह की यह योजना संभवतः देश की प्रथम योजना है। इसमें किसी प्रोफेशन से संबंधित रिहायशी भूखंडों का आवंटन किया जाएगा। इस योजना के बुकलेट का अनावरण यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने हाल ही में किया गया था। यूआईटी सचिव राजेश जोशी ने बताया कि यह योजना सीए नगर के नाम से जानी जाएगी। इस दौरान कोटा सीए ब्रांच ने यूआईटी सचिव जोशी समेत अन्य अधिकारियों का सम्मान किया। इस मौके पर सीए रामलखन गोयल, सीए कपिल उदयवाल, सीए पंकज दाधीच, सीए दीपक सिंघल, सीए विष्णु गर्ग, सीए सौरभ जैन, सीए अशीष व्यास, सीए संतोष गुप्ता, सीए संजीव बजारी आदि उपस्थित थे।

शिक्षा विभाग की नियमावली का विमोचन

जयपुर @ जागरूक जनता। अतिरिक्त मुख्य सचिव स्कूल एवं संस्कृत शिक्षा विभाग पवन कुमार गोयल ने मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित कॉन्फ्रेंस हॉल में शिक्षा विभाग की विभागीय नियमावली 2021 का विमोचन किया। विभाग की नियमावली का पूर्व में वर्ष 1997 में विमोचन किया गया था। इसमें पर्याप्त संशोधन एवं अद्यतन नियमों के साथ पुनः प्रकाशित किया गया है। राजस्थान राज्य शिक्षा नीति समिति के तत्वाधान में निर्दिष्ट 508 पृष्ठ की नियमावली में 17 अध्यायों में समस्त सेवा नियमों, विभागीय संरचना आदि को संकलित किया गया है। विमोचन के अवसर पर मुख्य अतिथि सहित विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे।

भगवान देवनारायण का 1111वां जन्मोत्सव

पीएम मोदी ने दानपात्र में डाला बंद लिफाफा

छह माह बाद विधानसभा चुनाव से पहले होगा खुलासा

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

भीलवाड़ा। भगवान देवनारायण के 1111वें जन्मोत्सव में मालासेरी डूंगरी आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दर्शन के बाद बंद लिफाफा दानपात्र में डाला था। बंद लिफाफे में क्या लिखा था, इसका खुलासा छह माह बाद होगा, जब भादवी छठ पर दानपात्र को खोला जाएगा। यही नहीं मोदी ने 1111 रुपए भी दानपात्र में डाले। बंद लिफाफा डालने से लोगों में उत्सुकता बढ़ गई है, क्योंकि तब तक विधानसभा चुनाव काफी करीब आ चुके होंगे। छह माह बाद चुनाव से पहले खुलासा होगा। मालासेरी डूंगरी के पुजारी हेमराज पोसवाल ने भीलवाड़ा में एक होटल में पत्रकार वार्ता में कहा कि भगवान देवनारायण जन्मोत्सव में आए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 1111 रुपए दानपात्र में डाले। मोदी ने एक लिफाफा भी डाला। यह लिफाफा सीलबंद था। देवनारायण मंदिर समिति इस दानपात्र को हर भादवी छठ को खोलती है। उस समय लिफाफा खुलेगा, तब पता चलेगा कि मालासेरी के विकास को लेकर मोदी ने क्या खाका खींच रखा है। पुजारी ने कहा कि भादवी छठ पर इसी तरह का बड़ा आयोजन किया जाएगा। उसमें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को आमंत्रित किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के 28 जनवरी को मालासेरी डूंगरी आगमन पर भगवान देवनारायण के दर्शन कराने से लेकर सभा में मंच तक पुजारी पोसवाल साथ थे। पोसवाल ने ही मंदिर भ्रमण के दौरान मोदी को भगवान देवनारायण के प्राकट्य संबंधी जानकारी दी थी।

विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी से मिले एन.एस.एस. के प्रतिनिधि

युवाओं में समाज सेवा की भावना आवश्यक-जोशी

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी ने कहा है कि युवा पीढ़ी में समाज सेवा की भावना होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि देश हमारा है। हमें देश का निर्माण करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना का विस्तार देश की प्रगति के लिए आवश्यक है।

राजस्थान विधान सभा में अध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी से मंगलवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के पदाधिकारियों ने मुलाकात की। राष्ट्रीय सेवा योजना की और से डॉ. जोशी का पौधा भेंट कर शॉल ओढ़ाकर व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। इस मौके पर उच्च शिक्षा मंत्री राजेन्द्र यादव, विधायक नरेन्द्र बुढ़ानिया और विधान सभा के प्रमुख सचिव महावीर प्रसाद शर्मा भी मौजूद थे। योजना के क्षेत्रीय समन्वयक एस.पी. भटनागर ने राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों की जानकारी दी। आभार डॉ. धर्मेन्द्र ने व्यक्त किया। योजना में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने पर विधान सभा अध्यक्ष डॉ. जोशी ने डॉ. सरोज, डॉ. विशाल, मनीष, ललित, रिया और विनिता को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मनित किया।

मोदी 12 को करेंगे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा खंड का उद्घाटन

नई दिल्ली @ जागरूक जनता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 फरवरी को बहुप्रतीक्षित दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने योजना में बदलाव के बारे में ट्विटर पर जानकारी दी और कहा, तारीख में बदलाव अब पीएम नरेंद्र मोदी 12 फरवरी को एक्सप्रेसवे के सोहना-दौसा खंड का उद्घाटन करेंगे। अपने पहले के ट्वीट में उन्होंने कहा था कि, एक्सप्रेस हाईवे का उद्घाटन 4 फरवरी को होगा। देश की राजनीतिक राजधानी दिल्ली को सड़क मार्ग से देश की आर्थिक राजधानी मुंबई से जोड़ने के लिए तकरीबन 1450 किलोमीटर लंबा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा रहा है। यह एक्सप्रेसवे हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र के कई शहरों को हाई स्पीड रोड नेटवर्क से जोड़ेगा। जहां दिल्ली से मुम्बई का सफर आधे समय में पूरा होगा।

जी-20 मेहमानों के जोधपुर पहुंचने का सिलसिला शुरू

सऊदी अरब, कनाडा से पहुंचे गेस्ट, लोक कलाकारों ने दी स्वागत प्रस्तुति

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

जोधपुर। अंतरराष्ट्रीय स्तर के आयोजन ज-20 के लिए सूर्य नगरी पूरी तरह से तैयार है। 2 फरवरी से 4 फरवरी तक जोधपुर में जी-20 ऐंप्लायमैंट वर्किंग ग्रुप सम्मेलन है मेहमानों के आने का सिलसिला शुरू हो गया। पूरा शहर मेजबानी के लिए तैयार है। हर चौराहे पर डेकोरेशन किया गया है। जोधपुर एयरपोर्ट पर भी मेहमानों के स्वागत में पलक पावड़े बिछाए। एयरपोर्ट पर लोक कलाकारों ने ढोल-थाली बजाकर मेहमानों का स्वागत किया। श्रम मंत्रालय की सचिव आरती आहुजा ने एयरपोर्ट पर पत्रकारों से कहा कि तीन थीम्स आईडेंटिफाई किए हैं, जिसमें सोशल प्रोटेक्शन के लिए कैसी फायनेंसिंग की जाए, दूसरा इकोनॉमी प्लेटफॉर्म के वर्कर्स को कैसे सोशल प्रोटेक्शन दे सकते हैं। तीसरा है स्किल, पूरी दुनिया में किस तरह से स्किल को मैच कर सकते हैं और क्या कॉमन टर्मिनोलॉजी ला सकते हैं। इन तीन मुद्दों पर हमारी चर्चा होगी।

इसके अलावा सोशल इवेंट भी होगा जिसमें जी 20 के अलावा डेलिगेशन हिस्सा लेगा। इसमें हम स्किलिंग के बारे में बात करेंगे। इन सभी में टेक्निकल इनपुट्स ILO, OECD, वर्ल्ड बैंक व भारतीय संस्था जिसमें नीति आयोग, वीवी गिरी नेशनल लेबर इंस्टीट्यूट, EPFO व मिनिस्ट्री ऑफ स्किल डेवलपमेंट का योगदान भी इसमें रहा है।

कार्यालय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय देवरी , चित्तौड़गढ़

क्रमांकः- निविदा/2022-23/ SPL दिनांक - 1/2/2023

निविदा क्रमांक 01/2022-2023

निम्नलिखित कार्यों को करने हेतु हस्ताक्षरकर्ता द्वारा राज्यपाल वास्ते मान्यता प्राप्त ठेकेदारों से मोहरबन्द लिफाफो में निर्धारित प्रपत्र पर निविदा आमंत्रित की जाती है जो दिनांक 7/2/2023 को अपरान्ह 10.00 बजे तक बेची जाकर निम्नांकित दिनांक का अपरान्ह 12:30 बजे तक प्राप्त कर साय 4:00 बजे उपस्थित निविदाओं के समक्ष खोली जावेगी।

क्र.सं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत रकम 2 प्रतिशत	निविदा शुल्क	निविदा बेचने की तिथि	निविदा प्राप्ति की तिथि	कार्य पूरा करने की अवधि
1	पेयजल व्यवस्था कार्य	174500	3500	500	17/2/2023 से 11/2/2023 तक	12/2/2023	15 दिन

नियम और शर्तें :-
1- नवीन नियमों के तहत RPWA 100 में अंकित सभी शर्तें ठेकेदार पर लागू होगी व ठेकेदार उनकी पालना हेतु बाध्य होगा।
2- किसी भी निविदा को बिना कारण स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार सक्षम अधिकारी को होगा।
3- निविदा दिनांक को राजकीय अवकाश होने पर अगले कार्य दिवस व निविदा प्रपत्र विक्रय/प्राप्त किये जायेंगे।
4- नियम और शर्तें इस कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में देखी जा सकती है।
5- धरोहर राशि बैंकर्स चैक/डी.डी. से ही प्राप्त की जावेगी।

प्रधानाचार्य
राउमावि देवरी, चित्तौड़गढ़

जागरूक खबरें

साहू दूसरी बार अखिल भारतीय साहू समाज के जिला अध्यक्ष

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय तेली महासभा की ओर से लगातार दूसरी बार जिले के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध सर्वसम्मति से गणेश साहू को मनोनीत किया है इस घोषणा के बाद समाज के सभी गणमान्य लोगों नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष को फूल माला पहना कर मुंह मीठा कराया। वही इस अवसर पर अखिल भारतीय तेली महासभा के नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष गणेश साहू ने बताया, कि समाज जनों ने जो लगातार दूसरी बार जिलाध्यक्ष बनाकर मुझ पर विश्वास व्यक्त किया है उस पर में खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा साथ ही समाज में बेटियों कि शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे इसके साथ ही उन्होंने कहा कि समाज में अधिक से अधिक सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन हो इसके लिए समाज के वरिष्ठजनो और युवाओं से विचार-विमर्श किया जाएगा साथ ही उन्होंने कहा कि समाज में जो कुरीतियां व्याप्त है उन्हें भी दूर करने का भरसक प्रयास किया जाएगा वही गणेश साहू के लगातार दूसरी बार निर्विरोध जिलाध्यक्ष बनने के अवसर पर समाज जनों ने उनका माला पहना कर और मुंह मीठा करा कर स्वागत किया। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष लालाराम, बंसीलाल पूर्व सरपंच बुढ़, प्रेम प्रकाश अध्यक्ष मरमी माता, बंसीलाल राईवाल पार्षद एवं कार्यकारी जिलाध्यक्ष, कैलाश पूर्व सरपंच कुँवालिया, बाबूलाल बाथरा जिला उपाध्यक्ष, बंसीलाल बड़ोदिया, भेरू लाल तेली उपाध्यक्ष शनि महाराज कमेटी, कैलाश चंद्र बाथरा शंभूपुरा सहित समाज के कई गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

विद्यारंभ संस्कार कार्यक्रम संपन्न

केकड़ी @ जागरूक जनता। पटेल आदर्श विद्या निकेतन माध्यमिक विद्यालय में विद्यारंभ संस्कार कार्यक्रम संपन्न हुआ प्रधानाध्यापक रामेश्वर चौहान ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलन करके किया गया। हिंदू संस्कृति के अनुसार मनुष्य के 16 संस्कारों में विद्यारंभ संस्कार भी प्रमुख है। भैया / बहिन जब पहली बार विद्यालय जाते है, तब उनका विद्यारंभ संस्कार करके शिक्षा दी जाती है। विद्यालय के मुख्य द्वार पर सभी अभिभावकों के चरण धोकर विद्यालय में प्रवेश करवाया गया। आचार्य महावीर प्रसाद शर्मा ने हिंदू रीति रिवाज के साथ मंत्रोच्चारण करके 9 भैया / बहिनों का विद्यारंभ संस्कार करवाया। कार्यक्रम शिशु वाटिका प्रभारी ललिता चौधरी व आचार्य भागचंद रेगर के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस दौरान विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारी अरविंद गर्ग सचिव तथा कृष्ण गोपाल पांडे विशेष आमंत्रित सदस्य, माया ओझा प्रधानाध्यापिका बालिका विभाग,विनीता जोशी प्रधानाध्यापिका प्राथमिक विभाग तथा आचार्य /दीदी भी उपस्थित थे।

बिरला सीमेंट में हर्षोल्लास से मनाया गणतंत्र दिवस

चित्तौड़गढ @ जागरूक जनता। माधव नगर स्थित बिरला सीमेंट परिसर में 74वा गणतंत्र दिवस समारोह प्लांट, माईन्स, बिरला शिक्षा केंद्र एवं एमपी बिरला हॉस्पीटल में हर्षोल्लास से मनाया गया। इकाई प्रमुख देवेश मिश्रा ने ध्वजारोहण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कंपनी राष्ट्रीय कर्तव्यो का पूर्ण रूप से निर्वहन करते हुए, सर्वश्रेष्ठ गुणवत्ता का उत्पादन हमारे उपभोक्ताओं को प्रदान कर रही है। कंपनी को हाल ही में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओ द्वारा पुरुस्कृत भी किया गया है। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा प्रहरियों के दल ने मुख्य अतिथि को सलामी दी। बिरला सीमेंट लाइमस्टोन माईन्स में सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रमों का आयोजन करने के साथ ही उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए कर्मचारियों को सम्मानित भी किया गया। बिरला शिक्षा केंद्र में विद्यार्थियो ने सुन्दर परेड, देश भक्ति गीतों पर मनमोहक प्रस्तुतिया दी। विशेष आकर्षण का केंद्र विधार्थियो द्वारा मार्शल आर्ट, चित्तोड़ की गौरव गाथा एवं योगासन रहे। विद्यार्थियो को मुख्य अतिथि द्वारा शिक्षा एवं खेलकूद प्रतियोगिताओ में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पुरुस्कृत किया गया।

केकडी बार के अधिवक्ताओं ने जैन को दी बधाई

केकड़ी @ जागरूक जनता। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में राजस्थान प्रदेश कांग्रेस की ओर से चलाये जा रहे हाथ से हाथ जोड़ो अभियान के तहत केकडी विधानसभा से जैन को सरवाड ब्लॉक से सोशल मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है इस पर केकड़ी बार अधिवक्ताओं द्वारा जैन को माला और मिठाई खिलाकर बधाई दी इस पर अधिवक्ता डॉ मनोज कुमार आहूजा, अपर लोक अभियोजक परवेज़ नकवी ,अधिवक्ता महावीर गुर्जर, अधिवक्ता भेरू सिंह राठौड़, अधिवक्ता महेंद्र चौधरी, अधिवक्ता अनुपम अग्रवाल, अधिवक्ता रवि शर्मा, कमल शर्मा आदि उपस्थित रहे

पर्यटक स्थलों पर मुलभूत सुविधाएं नहीं, शौचालय पर लटके ताले

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

अलवर। सरकार की ओर से अलवर के पर्यटन को बढ़ाने के लिए करोडों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। इस राशि से पर्यटक स्थल तो निखर रहे हैं लेकिन पर्यटकों को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही है। अलवर के ज्यादातर पर्यटक स्थलों पर न तो पानी की सुविधा है और न ही शौचालय की सुविधा।

मूसी महारानी की छतरी पर शौचालय पर लटका ताला

कलक्ट्रेट के नजदीक पर्यटक स्थल मूसी महारानी की छतरी, सागर, सिटी पैलेस, किशन कुंड पर आने वाले पर्यटक शौचालय की सुविधा नहीं मिलने से परेशान हैं। मूसी महारानी की छतरी पर एक शौचालय गया था, जिस पर हर समय ताला लटका रहता है। यहां पर कहीं लिखा हुआ भी नहीं है कि यह शौचालय है। कलक्ट्रेट में बने शौचालयों में गंदगी रहती है कि यहां कोई पर्यटक जाना नहीं चाहता है। ऐसे में शौचालय की सुविधाएं लोगों को नहीं मिल पाती।

खाने पीने का भी इंतजाम नहीं

अलवर शहर में सबसे ज्यादा पर्यटक सागर, मूसी महारानी, सिटी पैलेस, बाला किला, किशनकुंड, संग्रहालय को देखने के लिए आते हैं। लेकिन इन पर्यटक स्थलों के आसपास पर खाने पीने की कोई व्यवस्था नहीं है। न तो कोई स्टॉल है और न ही चाय कॉफी की शॉप। यहां तक की बाला किला जाने वाले प्रतापबंध चौकी पर भी पर्यटक् खाने पीने की सामग्री नहीं मिलने से परेशान रहते हैं। खासकर उस समय जब बच्चे भी साथ हो।

शहर में पर्यटक स्थलों पर सुविधाएं बढ़ाने की जरूरत है तभी पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी। कई बार मूसी महारानी पर कैफेटेरिया बनाने की चर्चा हुई लेकिन आज तक शुरू नहीं हुआ। यहां पर पर्यटकों को खाने के लिए कुछ नहीं मिलता है। इससे पर्यटक परेशान रहते हैं।
- श्याम सिंह, स्थानीय निवासी

पर्यटक स्थल है लेकिन यहां पर्यटकों के लिए टॉयलेट व पानी की सुविधा आज तक नहीं हो पाई है। ऐसे में सबसे ज्यादा महिला पर्यटक परेशान रहती हैं। परेशान होकर महिलाएं यहां आसपास बने घरों में टॉयलेट जाती है। ऐसे में हम भी शर्मिंदा होते हैं कि हमारी सरकार पर्यटकों को सुविधाएं नहीं दे पा रही है।
मंजू देवी, स्थानीय निवासी

पर्यटन को बढाने के लिए सरकार अच्छे प्रयास कर रही हैं लेकिन मुलभूत सुविधाएं नहीं होने से सरकार की मंशा पर पानी फिर रहा है। मूसी महारानी की छतरी पर बनाया गया टॉयलेट पर हर समय ताला लटका रहता है।फिर टॉयलेट बनाने का क्या फायदा।
- राजेन्द्र गुर्जर, स्थानीय निवासी

पर्यटक स्थलों पर करोडो खर्च हो रहे हैं लेकिन पर्यटकों के लिए सुविधाएं नही है तो पर्यटक यहां दोबारा नहीं आएंगे। पर्यटकों की परेशानी को समझते हुए पर्यटक् स्थलों पर टॉयलेट की सुविधा के साथ साथ स्वच्छ जल की सुविधा होनी चाहिए।
राजेन्द्र, स्थानीय निवासी

हैदराबाद के नवीनीकृत भवन का उद्घाटन

नारायण सेवा की सेवाएं पुन: शुरू

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उदयपुर। नारायण सेवा संस्थान उदयपुर ने आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के दिव्यांगों के जीवन सुधार के लिए संतोषी माता मंदिर, इस्लामिआ बाजार में अपने पुराने भवन के नवीनीकरण बाद नव सेवा संकल्पों के साथ लीलावती राठी मानव मंदिर नामक केंद्र शुरू किया। उद्घाटन के मुख्य अतिथि कमल नारायण राठी, जैन रत्न सुरेंद्र लूणिया, संपतमल कोठारी, संस्थान अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, रमेश गोयल और टीआरएस के नेता गडेकम श्रीनिवास मौजूद थे।

नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने बताया कि संस्थान 4 जनवरी 2004 से आंध्र प्रदेश के दीन दुखियों और दिव्यांगों को हैदराबाद में ही मदद पहुंचा रहा है। संस्थान ने पुरानी बिल्डिंग का रिनोवेशन कर दिव्यांगों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। इस भवन में दिव्यांगों को फिजियोथेरेपी, कृत्रिम हाथ-पैर और कैलिपर्स लगाने के अलावा उन्हें अपने परिवार का भरण पोषण करने लायक बनाने के लिए 45 दिवस का मोबाइल, 60 दिवस का कम्प्यूटर एवं 90 दिवस सिलाई कोर्स करवाया जाएगा। इससे पूर्व अतिथियों का शाखा संयोजक अलका जैन, अभय जैन ने शॉल, साफा, प्रतीक चिन्ह से अभिनन्दन किया। मुख्य अतिथि कमल नारायण राठी ने कहा की नारायण सेवा की सेवाएं अनुकरणीय है। विवश और वंचित जन को समाज की मुख्यधारा में लाने की मुहीम काबिले तारीफ़ है।

तंबाकू मुक्त विद्यालय बनाने हेतु बच्चों व शिक्षकों ने ली शपथ

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

कोटा। कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कोटा एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ एवं विकल्प इंडिया सोसाइटी जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में कोटा जिले के सरकारी विद्यालयों में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत तंबाकू मुक्त विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम के जरिए छात्र-छात्राओं को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों की जानकारी तथा तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों के विषय में जानकारी देकर अवगत कराया गया। साथ ही कोटा जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार विद्यालयों में शिक्षको एवं विधार्थियो को तंबाकू उत्पादों का सेवन न करने हेतु शपथ दिलवाई गई। कोटा जिला क्षेत्र में स्कूल में सोसाइटी द्वारा बैनर, पंपलेट वितरण एवं चस्पा कर शिक्षण परिषद मैं 100 गज की परिधि क्षेत्र में तंबाकू विक्रय एवं सेवन को कानूनी अपराध मानते हुए 200 रुपए के जुर्माने का प्रावधान हेतु संदेश देकर अवगत कराया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ साथ निबंध प्रतियोगिता, प्रशिक्षण देकर सोसायटी द्वारा अवगत कराया गया। सोसायटी के अध्यक्ष संजय कटारा द्वारा बताया गया की इस क्षेत्र में सोसाइटी के परियोजना अधिकारी बतौर प्रतिनिधि गौरव कुमार मिश्रा, वैभव मिश्रा द्वारा उक्त कार्यक्रमों को आयोजित किया गया है।

संस्कृत विद्यालय का संयुक्त वार्षिकोत्सव सम्पन्न

पिण्डवाड़ा। श्री मारू प्रजापत समाज राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय झोडाली में प्राथमिक व वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय का संयुक्त वार्षिकोत्सव सम्पन्न हुआ। समारोह में सरपंच कैलाश सुथार का मुख्य आतिथ्य रहा। वहीं सीबीईओ अजय माथुर की अध्यक्षता रही। वहीं समारोह में अजयपालसिंह विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम में एक से बढकर एक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। वहीं प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह को सफल बनाने में भामाशाह जोराराम देवासी, मानसिंह चौहान, रमेश भाई रावल, रमेश भाई मेघवाल, लक्ष्छीराम मंगिया, श्रवण कुमार गर्ग, विनोद कुमार हीरागर ने सहयोग किया। कार्यक्रम में आए भामाशाहों व लोगों का प्रधानाचार्य भूपेन्द्र सिंह सिंदल ने धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया गया। वहीं विद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने किया छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन

बहन बेटियों को अच्छी शिक्षा दिलाना ही प्राथमिकता

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

पीपाड़ शहर। नागौर सांसद व आरएलपी पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल बीते दिनों पीपाड़ शहर दौरे पर रहे। इस दौरान राजकीय कन्या महाविद्यालय के छात्रसंघ कार्यालय के उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। सांसद हनुमान बेनीवाल ने छात्रसंघ कार्यालय का उद्घाटन कर जनसभा को भी संबोधित किया। जिसमें बेनीवाल ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव प्रक्रिया एवं नियमों में बदलाव वक्त की मांग है। छात्र संघ चुनाव भी राजनीतिक चुनाव प्रक्रिया की तरह ही संपन्न कराया जाना चाहिए। यदि हनुमान बेनीवाल सत्ता के इर्द-गिर्द रहे तो छात्र संघ चुनाव में बदलाव निश्चित रूप से किया जाएगा। उन्होंने कांग्रेस और बीजेपी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि दोनों पार्टियों को सत्ता की कुर्सी प्यारी है प्रदेश में अपराध बढ़ रहे, कालाबाजारी, भष्टाचार चरम पर है आमजन और युवावर्ग बदलाव चाहाता है। पीपाड़ शहर पीजी महाविद्यालय में आयोजित कार्यालय उद्घाटन समारोह में उपस्थित जनसमूह देखकर आरएलपी सुप्रीमो ने पीपाड़ की जनता को धन्यवाद दिया। वहीं पीपाड़ छात्रसंघ अध्यक्ष रेखा चौधरी के हाथ मजबूत करने की बात भी कही। कॉलेज में लंबे समय से चल रहे प्रधानाचार्य, शारीरिक शिक्षक और अन्य विषयों के पद भरने की चल रही मांगों को भी इसी बजट सत्र के दौरान पूरा करने का आश्वासन दिया, उद्घाटन समारोह में कॉलेज प्राचार्य नैना जैन, भोपालगढ़ विधायक और रालोपा के प्रदेश अध्यक्ष पुखराज गर्ग, आरएलपी जिला संयोजक राजूराम खोजा, जिला अध्यक्ष रामसा सिगड़, ब्लॉक अध्यक्ष रामपाल जालखा, सहित कई छात्र नेता उपस्थित रहे।

ANCHOR जागरूकता अभियान

15 हजार सड़क सुरक्षा अग्रदूतों को किया जाएगा हेलमेट वितरण

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

चित्तौड़गढ़। जिला पुलिस चित्तौड़गढ़ की पहल एवं श्री सांवलिया मंदिर ट्रस्ट के प्रोत्साहन एवं सहयोग से जिले की सभी 299 ग्राम पंचायतों में हेलमेट जागरूकता एवं वितरण का अभियान शुरू किया जा रहा है। प्रत्येक ग्राम पंचायत के 50 युवकों को सड़क सुरक्षा व यातायात जागरूकता संबंधी प्रशिक्षण के बाद दिए जाएंगे हेलमेट।

पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि जिला पुलिस की पहल पर श्री सांवलिया मंदिर ट्रस्ट के प्रोत्साहन एवं सहयोग से जिले की सभी 299 ग्राम पंचायतों में हेलमेट जागरूकता एवं वितरण के अभियान के संबंध में सोमवार को जिला कलेक्टर चित्तौड़गढ़ श्री अरविंद पोसवाल की अध्यक्षता में डीआरडीए सभागार में एक बैठक का

आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य कार्यकारी अधिकारी जिला परिषद राकेश पुरोहित चित्तौड़गढ़, एएसपी अर्जुन सिंह, राजस्थान सड़क सुरक्षा सोसाइटी व अन्य हित धारक विभाग, अतिरिक्त प्रादेशिक परिवहन अधिकारी ओ पी बैरवा, समस्त पुलिस वृत्ताधिकारी चित्तौड़गढ़, समस्त खंड विकास अधिकारी पंचायत समिति जिला चित्तौड़गढ़ सम्मिलित हुए ।

बैठक में अतिरिक्त प्रादेशिक परिवहन अधिकार अजमेर वीरेंद्र सिंह राठौड़ द्वारा समस्त विभागों को हेलमेट वितरण एवं सड़क सुरक्षा अग्रदूत के चयन के संबंध में जानकारी दी गई तथा सभी विभागों की जिम्मेदारी तय की गई। जिले में लगभग 15 हजार सड़क सुरक्षा अग्रदूतों का चयन किया जाएगा तथा सभी ग्राम पंचायतों में 50-50 युवाओं को सड़क सुरक्षा व यातायात जागरूकता संबंधी प्रशिक्षण दिया जाकर हेलमेट वितरण किए जाएंगे। ये सभी सड़क सुरक्षा अग्रदूत आमजन में सड़क दुर्घटना के समय घायल की मदद करने, यातायात के नियमों का पालन करने, लोगो को वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने संबंधी जागरूक करने का कार्य करेंगे।

हिमांशु मीना ने छात्र छात्राओं किए 300 जैकेट वितरित

जागरूक जनता
jagrukjanta.net

उनियारा। बैंक ऑफ बड़ोदा शाखा सुंथड़ा के शाखा प्रबन्धक हिमांशु मीना और स्टाफ लव कुमार, नरेश, मुकेश मीना, रामलाल जाट व बैंक मित्र शाहिद खान द्वारा 26 जनवरी के मौके पर विभिन्न सरकारी विद्यालयों मे 300 जैकेट वितरण किए गए। शाखा प्रबन्धक हिमांशु मीणा ने बताया कि राजकीय उच्च माध्य. विद्यालय डिकोलिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूथड़ा, दयानंद सरस्वती शिक्षक संस्थान खाटकलाँ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय शिवराजपुर में बैंक ऑफ़ बड़ौदा ब्रांच मैनेजर हिमांशु मीणा की तरफ़ जैकेट वितरित किए।

माली समाज की 251 प्रतिभाएं सम्मानित

सांचौर @ जागरूक जनता। कस्बे के माली समाज छात्रावास में माली समाज प्रतिभा सम्मान समारोह व शिक्षा जागृति सम्मेलन का आयोजन माली युवा संगठन समिति के तत्वावधान और 1008 मोहनराम महाराज के सानिध्य में राज्य सभा सांसद राजेंद्र गहलोत, थराद प्रधान दानाभाई सुन्देशा, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी जालोर नरेंद्र परमार,पूर्व अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार सोलंकी, रघुभाई देवड़ा की अध्यक्षता में लिखमीदासजी महाराज के समक्ष दिप प्रजज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ कर माली समाज की 251 प्रतिभाओं का सम्मान स्मृति चिन्ह, प्रशस्तिपत्र,व स्कुल बैग देकर के सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम को राज्य सभा सांसद राजेंद्र गहलोत ने सम्बोधित किया। शिक्षा अधिकारी नरेंद्र परमार, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार सोलंकी ने भी कार्यक्रम में अपने विचार रखें। इस मौके पर एडवोकेट पुरूषोत्तम सोलंकी, मुम्बई माली समाज अध्यक्ष शंकरलाल परमार, डूंगराराम इन्स्पेक्टर, सिरोही माली समाज अध्यक्ष चेताराम माली, भीनमाल पार्षद चुन्नीलाल गहलोत, माली समाज धर्मशाला अध्यक्ष मगाराम गहलोत,माली समाज छात्रावास अध्यक्ष कुभाराम गहलोत,माली युवा संगठन समिति अध्यक्ष धुड़ाराम सुन्देशा, स्मृति वन चैयरमेन अमराराम माली, किसान नेता भगवानाराम सुन्देशा,चितलवाना माली समाज धर्मशाला अध्यक्ष सरुपाराम सोलंकी, सरपंच मफाराम माली, सरपंच पीराराम माली, सब्जी मंडी अध्यक्ष मसराराम परिहार, माली सैनी क्रामिक संघ अध्यक्ष जगदीश सोलंकी,माली मित्र मंडल अध्यक्ष मोहनलाल एन., डां.सुभाष सैनी, अमराराम परमार, पूर्व सरपंच रुडाराम परमार,भुपाराम फालना, जवाराराम, नेमाराम परमार, दिनेश टांक,अशोक परमार, जेसाराम टांपी सहित समाज के सैकड़ों भामाशाह व माली समाज की महिला,बालक बालिकाओं हजारों समाज बंधु मौजूद रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन दोलाराम सुन्देशा व गोरखा राम गहलोत के द्वारा किया गया।

ठाठ बाट से सम्पन्न हुआ तुलसी सालिगराम विवाह, सैकड़ों श्रृद्धालु हुए आनंदित

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। शहर के प्रतापनगर स्थित लक्ष्मी नाथ मंदिर से माघ शुक्ला अष्टमी रविवार को तुलसी सालिगराम विवाह के लिये भव्य बारात का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ों श्रृद्धालु नर-नारी एंव मंदिर मंडल से जुड़े पदाधिकारियों की भागीदारी के साथ बैंड बाजो व मालवीय ढोल की थाप पर नृत्य करते भक्तगण विवाह आयोजक सुरेश झंवर के निवास पर पहुंचे। मंदिर से लेकर कुंभानगर व प्रतापनगर क्षेत्र से निकली बारात का मार्ग में जगह-जगह श्रृद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर ठाकुर जी की अगवानी करते हुए इस प्रकार के आयोजन को अनूठा बताया। लक्ष्मीनाथ मंदिर मंडल अध्यक्ष शशि रंजन तिवारी के अनुसार विवाह आयोजन स्थल पर वैदिक परम्परा अनुसार तोरण की रस्म के साथ ही अन्य अनुष्ठान करते हुए हर्षोर्ल्लास के साथ तुलसी संग सालिगराम जी का विवाह वैदिक मंत्रोचार के साथ सम्पन्न कराया गया। ठाकुर जी की बारात के आयोजन स्थल पर पहुंचने पर लोकिक परम्परा अनुरूप झंवर परिवार एंव अन्य श्रृद्धालुओं की ओर से बारात में शामिल नर नारियों का माला एंव शॉल ओढा कर स्वागत किया गया। विवाह की रस्म सम्पन्न होने पर कन्यादान के रूप में कई उपहार भेंट किये गये। वहां से जब तुलसी एंव सालिगराम को लक्ष्मीनाथ मंदिर लाया गया तो वहां भक्तगणों ने बधाई गीत के साथ पुष्पवर्षा कर देव जोड़े की अगवानी की। मंदिर से जुड़े पदाधिकारियों का मानना था कि यह विवाह एक अनूठे आयोजन का प्रतीक बना है।

राज्य स्तरीय विजेता खिलाड़ियों का किया सम्मान

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। भीलवाड़ा में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में चित्तौड़गढ़ जिले के 9 खिलाड़ियों की टीम ने भाग लिया, जिसमें हर्षिता कंवर, छवि चैधरी, कोमल जाट, सुहानी डांगी, मानसी भाटी आदि पाँच युवतियों एवं श्रीओम चैधरी, मोहम्मद अल्फसानी, शुवंकर विस्वास, रोहित लोहार चार युवकों सहित प्रशिक्षक विशाल सक्सेना शामिल थे। ताइक्वांडो प्रतियोगिता के पीबी कैटेगरी में हर्षिता कंवर पुत्री राजेंद्र कंवर ने स्वर्ण पदक, सब-जूनियर वर्ग के अंडर 38 किग्रा भार वर्ग में छवि चैधरी पुत्री योगेश कुमार, कैडेट वर्ग के ओवर 65 किग्रा में शुवंकर पुत्र शुमंत बिस्वास, जूनियर वग के अंडर 42 किग्रा में मानसी पुत्री बबलू सिंह भाटी और जूनियर वर्ग के अंडर 78 किग्रा भार वग में रोहित पुत्र निमर्ल लौहार ने कांस्य पदक जीतकर ताइक्वांडो खेल में पहली बार जिले का नाम रोशन किया। जिला ताइक्वांडो एशोसिएशन अध्यक्ष किशन पिछोलिया, अजुर्न मुंदडा, राजेश भट्ट, बाबूलाल खटीक, लोकेश त्रिपाठी, शेखर शर्मा, विजय मलकानी, कैलाश भूतडा, निलेश बल्दवा, नदीम शेख, धावक पृथ्वीराज खटीक, चेतन गौड, प्रहलाद डाड, अली असगर बोहरा, विष्णु शंकर कुमावत आदि पदाधिकारियों ने खिलाड़ियों और प्रशिक्षक का प्रताप पाक में मेवाड़ी पगड़ी, उपारना, माला पहना कर मुंह मीठा कराकर स्वागत, अभिनंदन किया।

प्रबोधक शिक्षकों की समस्या निराकरण की मांग

चित्तौड़गढ़ @ जागरूक जनता। राज्य के 25 हजार प्रबोधक शिक्षकों की प्रमुख समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर राजस्थान प्रबोधक संघ द्वारा राज्यमंत्री सुरेन्द्र सिंह जाड़ावत के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष गिरिराज सोमानी ने बताया कि वतमान राज्य सरकार द्वारा कमर्चारी हित में कई निणर्य लिये गये लेकिन अभी तक भी 25 हजार प्रबोधक अपनी समस्याओं से परेशान है। उन्होंने राज्य मंत्री को ज्ञापन सौंप कर प्रबोधक की सम्पूण सेवा को जोड़कर नियुक्ति तिथि से फिक्सेशन करने, प्रबोधक नाम शिक्षक कर कैडर समाप्त करने, वष 2010 की त्रुटिवश हुई वेतन विसंगति का समाधान करने तथा छलावा हुए प्रबोधक प्रमोशन को वरिष्ठ अध्यापक के समान बनाकर परिलाभ दिये जाने की मांग की गई। इस दौरान संजय जैन, गोपाल सिंह चुण्डावत, सुमन बलदवा, भोपाल सिंह, घनश्याम लक्षकार, भेरू रावल, महेन्द्र सिंह राणावत, रामेश्वर सुथार, सीमा शर्मा, मुकेश, रामलाल, मीना शक्तावत आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर नमन

चित्तौडगढ @ जागरूक जनता। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा राष्ट्रपिता स्व.महात्मा गांधी की पुण्यतिथी पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गयी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री सुरेन्द्रसिंह जाडावत, नगर परिषद सभापति संदीप शर्मा, जिला संगठन महासचिव करणसिंह सांखला, की उपस्थिति में श्रद्धांजलि दी गयी। राज्य मंत्री सुरेन्द्रसिंह जाडावत ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने देश को आजाद कराने के लिए अंग्रेजों को लौहा लेने पर मजबुर कर दिया, इसी कारण उन्होने भारत छोडने का निर्णय लिया गया एवं देश को आजाद करवाया। जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा भी जिला कार्यालय पर ध्वजारोहण किया गया। जिला प्रवक्ता अहसान पठान ने बताया कि इस दौरान कार्यक्रम में पीसीसी सदस्य प्रमोद सिसोदिया पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष प्रेमप्रकाश मुन्डडा, नवनियुक्त ब्लॉक शहर अध्यक्ष अनिल सोनी, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम जाट आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र के सम्मुख किया झंडा रोहण

केकड़ी @ जागरूक जनता। भारत जोड़ो यात्रा के समापन के उपलक्ष्य में ब्लॉक एवं नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर के सम्मुख कांग्रेस कार्यालय में झंडा रोहण किया। समारोह के मुख्य अतिथि ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष समर वीर सिंह शक्तावत थे जबकि समारोह की अध्यक्षता नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष निर्मल चौधरी द्वारा की गई। पालिका अध्यक्ष कमलेश साहू द्वारा विशिष्ठ आतिथ्य प्रदान किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता रतन पंवार ,धनेश जैन ,मंजू बज, चंद्र प्रभा जैन सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्तागण उपस्थित थे।

R.N.I.Regd.No.:RAJHIN/2015/61758
डाक पंजीयन सं. : jaipurcity/105/2021-23

जयश्री अग्रसेन

अन्तर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन परिवार

केन्द्रीय मुख्यालय : 18 राजेंद्र नाथ मुखर्जी रोड, दूसरी मंजिल, कोलकता - 700001, पश्चिम बंगाल
Registered Under Societies Act Vide No.- 1903-00769/2019 DT.01/02/2019
Ph. (003) 4007 5544, E-mail: aa.sammelan@gmail.con Website : www.aasammelan.com

अन्तर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन कोलकाता
उड़ान 2023
द्वितीय राष्ट्रीय महा अधिवेशन

जयपुर
राष्ट्रीय महा अधिवेशन
8-9 अप्रैल, 2023

राजकुमार मित्तल
अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष
अंतर्राष्ट्रीय अग्रवाल सम्मेलन

राजस्थान की पावन धरा गुलाबी नगरी जयपुर
में द्वितीय राष्ट्रीय महाधिवेशन
उड़ान 2023
में 8 व 9 अप्रैल 2023 को, समाज के ज्यादा
से ज्यादा अग्र बंधु शामिल हो

Venu

Stardum Resort
Bhankrota, Ajmer Road, Jaipur